● जयपुर, सोमवार, 12 अगस्त 24 ● वर्ष 13 ● अंक 345 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डा. मनीष अग्रवाल...
पेज @4 पूरी तरह टूट कर बिखर चुकी है वार्ड नंबर 24 की सड़के...
पेज @8 » पंजाब मेल में फैली आग की अगवाह, चलती ट्रेन से कूद....

राष्ट्रपति मुर्मू को मिला तिमोर लेस्ते का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित किए जाने को देश के लिए गर्व का क्षण बताया है।

पीएम मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू) जी को 'ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित होते देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है जो उस देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यह दोनों देशों के बीच सुदृढ़ संबंधों और आपसी सम्मान को दर्शाता है। यह सार्वजनिक जीवन में उनके कई वर्षों के महत्वपूर्ण योगदान को दी गई मान्यता भी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी द्रौपदी मुर्मू को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, राष्ट्र के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बधाई। यह न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने में राष्ट्रपति जी के योगदान का समर्थन है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत का कद ऊंचा होने का संकेत भी है। हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति को 'ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित किया जाना हमारे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह तिमोर-लेस्ते का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो हमारे देशों के बीच मजबूत दोस्ती और आपसी सम्मान को उजागर करता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शनिवार को तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित किया। हाल ही में राष्ट्रपति मुर्मू को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया गया था। फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियामे मैवलीली कटोनिवेरे ने उन्हें यह सम्मान दिया था।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक शिमुल बरुवा को टर्मिनल थ्री के इमिग्रेशन काउंटर से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल से फर्जी दस्तावेज बनाकर बरुवा लखनऊ से बैंकॉक जाने की तैयारी में था। बैंकॉक जाने के लिए उसने आशीष राय के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार करने के बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे सरोजिनी नगर पुलिस के हवाले कर दिया। सरोजनी नगर पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। उसके पास से अलग-अलग नाम से बने दो जाली पासपोर्ट, दो आधार कार्ड और एक बैंकाक का टूरिस्ट वीजा बरामद हुआ है।

भूस्खलन : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

जम्मू। रामबन में विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग रविवार को अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात से हो रही बारिश हो रही है, जिसके चलते रामबन जिले के मेहद, कैफेटेरिया में पहाड़ियों से मलबा व पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग पर दोनों तरफ से यातायात बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश का मौसम है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम में सुधार होने तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करने से बचें क्योंकि भूस्खलन व पत्थर गिरने की आशंका है। उन्होंने कहा कि वह अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यातायात कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

जयपुर : बाणगंगा नदी में डूबने से सात युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान में मानसून सक्रिय है। इसके चलते कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। राजधानी जयपुर में सुबह से रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश हो रही है। बाणगंगा नदी में डूबने से सात युवकों की मौत हो गई। बारिश के कारण कई निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए। भरतपुर जिले के बयाना थाना इलाके में बाणगंगा नदी में आठ युवक नहाने गए थे, इसी दौरान सात युवक डूब गए। सभी की उम्र 18 से 22 साल के बीच है। ग्रामीणों ने एक घंटे के रेस्क्यू के बाद शवों को बाहर निकाला। पंचायत समिति के विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि श्रीनगर गांव के आठ युवक गांव के पास से जा रही बाण गंगा नदी में नहाने गए थे। दो शव भरतपुर के आरबीएम अस्पताल और पांच शव झील के बाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

किश्तवाड़ जिले में आतंकी मुठभेड़, तलाशी अभियान जारी

किश्तवाड़। जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर जंगल में रविवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच कुछ देर के लिए मुठभेड़ हुई। फिलहाल क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सेना और अर्धसैनिक बलों की मदद से पुलिस ने नौनट्टा, नागेनी पेयास और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों को पास आते देखकर गोलीबारी की, जिसके बाद कुछ देर के लिए मुठभेड़ हुई। इस इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाबल भेजे गए हैं और आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने फसलों की 109 उच्च उपज देने वाली किस्में जारी की

किसानों के लिए लाभकारी होंगी फसल की नई किस्में : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज देने वाली जलवायु अनुकूल और जैव-प्रतिबलित किस्मों को जारी किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से परस्पर बातचीत भी की। इन नई फसल किस्मों के महत्व पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कृषि में मूल्य संवर्धन के महत्व पर बल दिया। किसानों ने कहा कि ये नई किस्में अत्यधिक लाभकारी होंगी क्योंकि इनसे उनका व्यय कम होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रधानमंत्री द्वारा जारी की गई 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 प्रक्षेत्र फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। प्रक्षेत्र फसलों में मोटे अनाज, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, रेशा और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए गए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, रोपण फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी की गईं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने मोटे अनाजों के महत्व पर चर्चा की और इस बात को रेखांकित किया कि कैसे लोग पौष्टिक भोजन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों और जैविक खेती के प्रति आम लोगों के बढ़ते विश्वास के बारे में भी बात की, उन्होंने कहा कि लोगों ने जैविक खाद्य पदार्थों का सेवन और मांग करना शुरू कर दिया है। किसानों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका की सराहना की

किसानों ने जागरूकता पैदा करने में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) द्वारा निभाई गई भूमिका की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि केवीके को हर महीने विकसित की जा रही नई किस्मों के लाभों के बारे में किसानों को सक्रिय रूप से सूचित करना चाहिए ताकि उनके लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। प्रधानमंत्री ने इन नई फसल किस्मों के विकास के लिए वैज्ञानिकों की भी सराहना की। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सुझाव के अनुरूप काम कर रहे हैं, ताकि अप्रयुक्त फसलों को मुख्यधारा में लाया जा सके।

नटवर सिंह का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। 95 वर्षीय नटवर सिंह गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती थे। कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में शामिल रहे नटवर सिंह ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-वन सरकार के दौरान 2004-05 के दौरान विदेश मंत्री का कार्यभार संभाला। हालांकि 2005 में 'इराकी तेल के बदले अनाज' घोटाले के बाद उन्हें सरकार से इस्तीफा देना पड़ा।

राजस्थान के भरतपुर में 1931 में जन्मे नटवर सिंह एक समय गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे लेकिन 2008 में उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया।

नटवर सिंह ने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में काम किया था और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े रहे थे। उन्हें 1984 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने आत्मकथा 'वन लाइफ इज नॉट इनफ' सहित कई किताबें लिखीं जो राजनीतिक हलकों में काफी चर्चित हुई।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने शोक संदेश में कहा कि अपने लंबे करियर में उन्होंने कई भूमिकाएँ निभाईं, एक प्रतिष्ठित राजनयिक से लेकर एक उत्कृष्ट सांसद तक। पद्म भूषण से सम्मानित, वे एक प्रसिद्ध साहित्यकार भी थे। वे उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में उनके समृद्ध योगदान को याद किया, जो अपनी बुद्धिमत्ता एवं बेहतरीन लेखन के लिए भी जाने जाते थे। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि वे नटवर सिंह के निधन से दुखी हैं। उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में समृद्ध योगदान दिया। वह अपनी बुद्धिमत्ता के लिए भी जाने जाते थे।

टू सीटर एयरक्राफ्ट क्रैश, दो पायलट घायल

एजेंसी

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में रविवार को एविएशन एकेडमी का टू सीटर एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में दो पायलट घायल हो गए। दोनों घायलों को आनन-फानन में निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती करवाया गया। कैंट थाने के टीआई दिलीप राजोरिया ने पत्रकारों को बताया कि घायल दोनों पायलटों की हालत खतरे से बाहर है। गुना में शा-शिब एविएशन एकेडमी का टू-सीटर एयरक्राफ्ट (मॉडल-152) दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह रविवार दोपहर करीब 1 बजे टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़ा था। दो पायलट उसे लेकर टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़े थे। करीब 40 मिनट उड़ने के बाद एयरक्राफ्ट परिसर में ही क्रैश हो गया। आशंका है कि हादसा इंजन फेल होने से हुआ। कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार घायल हैं। मौके पर कैंट पुलिस सहित एकेडमी के अधिकारी मौजूद हैं। दुर्घटनाग्रस्त एयरक्राफ्ट बेलगावी एविएशन का है।

बारात में जा रहे 11 लोग खड्ड के पानी में बहे, नौ की मौत

● मृतक सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के छह जिलों में शनिवार की रात से लगातार हो रही बारिश ने तबाही मचा दी है। राज्य के होशियारपुर में रविवार को हिमाचल की सीमा से सटे गांव में एक खड्ड पार करते समय एक इनोवा कार पानी में बह गई, जिसमें 12 लोग सवार थे। अब तक कार में सवार नौ लोगों के शव बरामद किये जा चुके हैं, जबकि दो अन्य लापता हैं।

होशियारपुर के एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने बताया है कि हिमाचल प्रदेश के जिले ऊना के देहला से इनोवा कार में सवार होकर 12 लोग पंजाब के नवांशहर की एक बारात में आ रहे थे। पंजाब-हिमाचल के सीमावर्ती इलाके के दोआब में भारी बारिश के कारण इनोवा कार बह गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एनडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम के आने के बाद लापता लोगों की तलाश शुरू की। जेसीबी मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान कार में फंसे एक व्यक्ति को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे। कार में सवार मृतकों की पहचान दीपक पुत्र सुरजीत भाटिया, सुरजीत पुत्र गुरदास राम, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना (18), अंजू (20), हरमीत (12) के रूप में हुई है। अभी भी 2 लोग लापता हैं।

सैन्य शक्ति › हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के तेजी से बढ़ते कदमों के बीच

नौसेना बेड़े में शामिल होने को तैयार परमाणु पनडुब्बी अरिघाट

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के तेजी से बढ़ते कदमों के बीच परमाणु मिसाइलों से लैस पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार है। इसे विशाखापट्टनम के जहाज निर्माण केंद्र पर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल (एटीवी) प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया है। भारत की पहली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत की लांचिंग 2009 में हुई थी। इसके अलावा पारंपरिक हथियारों के साथ दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण की परियोजना भी अंतिम मंजूरी के करीब है।

● लगभग पांच साल के लम्बे इंतजार के बाद 2017 में हो पाई थी अरिघाट की लांचिंग
● समुद्र में गोते लगाने के लिए अरिघाट अपनी बहन आईएनएस अरिहंत से जुड़ जाएगी

नौसेना को दूसरी 6,000 टन की परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट मिलने के बाद भारत अब रणनीतिक प्रतिरोध के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की ओर से बढ़ रही चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा। भारतीय नौसेना की दूसरी परमाणु ऊर्जा वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट तीन साल के समुद्री परीक्षणों के बाद अब इस वर्ष के अंत तक समंदर में गोते लगाने के लिए तैयार है। यह अरिहंत श्रेणी की भारत में निर्मित की गई दूसरी पनडुब्बी है। व्यापक परीक्षणों के बाद औपचारिक कमीशनिंग के लिए पूरी तरह से तैयार पनडुब्बी में विस्तारित अवधि में उन्नयन के साथ कुछ तकनीकी मुद्दों को सुलझाया गया था।

सात साल तक व्यापक परीक्षण से गुजरी है

आईएनएस अरिघाट की लांचिंग लगभग पांच साल के लम्बे इंतजार के बाद 2017 में हो पाई। इस पनडुब्बी को मूल रूप से आईएनएस अरिदमन के नाम से जाना जाता था लेकिन इसके लॉन्च होने पर इसे आईएनएस अरिघाट नाम दिया गया था। यह पनडुब्बी सात साल तक व्यापक परीक्षण से गुजरी है और अब समुद्र की गहराइयों में उतरने के लिए तैयार है। इसके बाद अरिघाट अपनी बहन आईएनएस अरिहंत से जुड़ जाएगी। आईएनएस अरिहंत के मुकाबले आईएनएस अरिघाट में मिसाइलों की संख्या दोगुनी होगी, जिससे भारत को 'पानी के युद्ध' में और अधिक मिसाइलें ले जाने की क्षमता मिल जाएगी।

पनडुब्बी के कूबड़ पर आठ लांच ट्यूब होंगे

अरिहंत श्रेणी की दूसरी मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट के ब्लेड प्रोपेलर जल रिएक्टर से संचालित होंगे। यह पनडुब्बी पानी की सतह पर 12-15 समुद्री मील (22-28 किमी/घंटा) की अधिकतम गति से चल सकती है और समुद्र की गहराई में 24 समुद्री मील (44 किमी/घंटा) की गति प्राप्त कर सकती है। इस पनडुब्बी के कूबड़ पर आठ लांच ट्यूब होंगे। यह 750 किमी. रेंज वाली 24के-15 सागरिका मिसाइलों या 3,500 किमी. की रेंज वाली 8के-4 मिसाइल तक ले जा सकती है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का दावा

उन्हें सत्ता से बे-दखल करने में अमेरिका का हाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दावा किया है कि उनकी सरकार को सत्ता से हटाने में अमेरिका की भूमिका है।

एक अंग्रेजी अखबार को दिए साक्षात्कार में शेख हसीना ने दावा किया है कि अमेरिका ने उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाने की साजिश रची क्योंकि उन्होंने सेंट मार्टिन द्वीप को अमेरिका को सौंपने से इनकार कर दिया था, जिससे पश्चिमी महाशक्ति को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव जमाने में मदद मिलती। उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से आग्रह किया कि वे देश में कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया ताकि उन्हे लाशों का जुलूस न देखना पड़े। वे छात्रों की लाशों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं होने दिया और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कैसे देश जीतेगा नशे के खिलाफ जंग

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकट पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। नशे की गिरफ्त में आकर लोग अकसर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरुकता की परम आवशयकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है।

व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के–लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार–विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं।

दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को। नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई–सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है। राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, ₹भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है।

जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवशयकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुंचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके–मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे, ₹ सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रुकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है।

आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह–अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान है। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएं के छल्ले उड़ाना और महंगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वरना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा।

शिवजी का डमरू और तीनों लोक

हृदयनारायण दीक्षित

भारत में सावन का महीना शिव उपासना का जलरस भरा मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां–औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। मैंने समूची वाराणसी को सोम शिव पाया। हर–हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास।

शिव भोले शंकर हैं। औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। शर शैय्या पर लेटे भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। वे प्रकृति से परे और पुरुष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता।" फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है।" यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। मैं भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए महादेव को नमस्कार करता हूं।

ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। शिव महाकाल हैं। ऋग्वेद में "जो रूद्र है, वही शिव भी है।" त्रिशूल उनका हथियार। ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं–त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। मैं मन ही मन यजुर्वेद के शिव संकल्प मंत्र दोहराता हूं– "हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो–तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।" मैं राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर तक धंसा हुआ है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था त्र्यम्बक रूद्र को–हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं स्वयं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं।

संसार क्षर से क्षर की यात्रा है। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर–फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ–साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव रूपक का सोम प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं। सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी आकर्षक है। इस त्रयी में सत्य महत्वपूर्ण है लेकिन सत्य को शिव भी होना चाहिए। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। लेकिन यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। कांवड़िये लम्बी पदयात्रा करते हैं। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया "पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?" शिव शंकर के रूप–कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा, "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं–विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।" शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले, "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती–तवस्मि दासः।" मन करता है कि पूंछू शिव से–महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बायीं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती–शिव जगत के माता –पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं। भारतीय साहित्य शिव–पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्त्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद्चन्द्र की पूनो शिव रस सोम की ही वर्षा करती है। सोम और चन्द्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है "वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।" शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण–कण में व्याप्त चेतना हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

बच्चों को 'कहानियों की झप्पी' देता कथा संग्रह

दुर्गेश्वर राय

कहानी एक ऐसी विधा है जिसके माध्यम से न केवल संस्कार, सद्चरित्र, मानवता, नैतिकता, परोपकार, सज्जनता, अनुशासन, सहनशीलता आदि सदुणों को बड़ी सरलता से बच्चों के अंदर रोपित किया जा सकता है बल्कि भाषा, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, गणित आदि विषयों के तथ्यों को भी सहजता के साथ बच्चों को समझाया जा सकता है। बाल कहानी लिखते समय यदि कहानीकार थोड़ी सी सतर्कता बरतने के साथ बाल मनोभावों का ध्यान रखें तो वह कहानी बच्चों के मन मस्तिष्क में स्टेप बाई स्टेप उतरती चली जाती है। इसके साथ ही बच्चे न केवल कहानी से जुड़ते हैं बल्कि उससे मिली सीख को अक्षरशः अपने जीवन में उतारने लगते हैं। ऐसे में बाल मनोभाव के विभिन्न पक्षों से नित्यप्रति रूबरू होने और रोज नया अध्याय सीखने वाला शिक्षक यदि कहानी लिखने बैठ जाय तो फिर बात ही कुछ और होती है। उत्तराखंड की एक ऐसी ही नव प्रयोगधर्मी शिक्षिका इंदु पंवार द्वारा लिखित बाल कहानियों का लघु संग्रह है "कहानियों की झप्पी"।

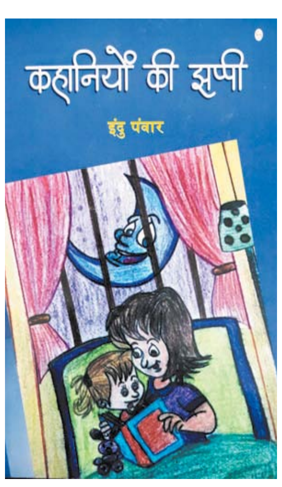

पुस्तक : कहानियों की झप्पी
लेखिका : इंदु पंवार
प्रकाशक : समय साक्ष्य, देहरादून
पृष्ठ : 27, मूल्य : 75

कहानियों की झप्पी में नौ बाल कहानियां शामिल हैं। हर कहानी बाल मन के किसी कोने को स्पर्श करती है। 'सेम का बीज' कहानी बड़ी सहजता के साथ बच्चों को यह संदेश दे रही है कि यदि जीवन में हम उचित जगह का चुनाव कर लें तो हमारे कार्य स्वतः ही सिद्ध होते चले जाते हैं। उचित अनुचित के चुनाव की कला अगर बच्चे में आ जाए तो फिर क्या कहना। 'प्रथम पुरस्कार' के माध्यम से लेखिका ने बच्चों को अति आत्मविश्वास से बचने और निराशा को अपने ऊपर हावी न होने देने की सुंदर सीख दे रही हैं। 'रिया और बिल्ली की दोस्ती' एवं 'खुशी का राज' कहानियां एक तरफ जहां बच्चों को जीवों के प्रति दया एवं स्नेह के लिए जागरूक कर रही हैं वहीं दूसरी तरफ समस्याओं का समाधान होने तक रिया की तरह धैर्य धारण करने की सलाह भी दे रही हैं। 'दादी का चश्मा' कहानी झुर्रियों वाली अनुभवी पीढ़ी और कोमल सी तीसरी पीढ़ी के नाजुक रिश्तों का ताना–बाना बुन रही है। 'घर वापस चलते हैं' कहानी में नन्ही सी चिड़िया और उसकी मां के बीच के वार्तालाप के माध्यम से शहरीकरण के कारण उत्पन्न पर्यावरणीय चिंता को उजागर किया गया है तो वहीं अपने घर के महत्व को भी समझाया गया है। 'सानू जरूर पढ़ने जाएगी' और 'दोस्ती' कहानियां न केवल बालिका शिक्षा की चुनौतियों को उजागर कर रही हैं बल्कि उनके सहज समाधान भी प्रस्तुत कर रही हैं।

समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून द्वारा पुस्तक को सुसज्जित करते हुए सुंदर फॉन्ट में छपाई की गई है जो सराहनीय है। प्रियंका जोशी के रेखाचित्रों ने कहानियों को बच्चों के लिए मोहक बना दिया है, कवर पृष्ठ चित्ताकर्षक है। संक्षेप में कहें तो इंदु पंवार की यह पुस्तक बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी है।

अब बांग्लादेश से कौन करेगा द्विपक्षीय व्यापार

योगेश कुमार सोनी

बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उसका बड़ा खामियाजा उसे भुगतना पड़ सकता है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर हुए इस आंदोलन की परिणति शेख हसीना की निर्वाचित सरकार के पतन के रूप में हुई है। यही नहीं शेख हसीना को जान बचाकर बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। इस सारे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को समझने के लिए कुछ पीछे लौटना होगा। बांग्लादेश को 1971 में स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में चिह्नत किया गया। 1972 में उसे बतौर देश मान्यता मिली। 1972 में तत्कालीन सरकार ने मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और उनके वंशजों को सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया, लेकिन इसका लगातार विरोध हुआ। वर्ष 2018 में सरकार ने इस व्यवस्था को खत्म कर दिया। इस साल जून में हाई कोर्ट के फैसले ने इस आरक्षण प्रणाली को खत्म करने के फैसले को गैरकानूनी बताते हुए इसे दोबारा लागू कर दिया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद बांग्लादेश में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। शेख हसीना सरकार ने हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी थी। इससे पहले विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। नौजवान सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए। मारकाट मचने लगी। आंदोलनकारियों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के बातचीत के न्योते को भी ठुकरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस थानों, पुलिस चौकियों, सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालयों और उनके नेताओं के घरों पर हमले शुरू कर वाहनों को आग लगानी शुरू कर दी। इस तरह छात्रों का यह आंदोलन कट्टर इस्लामिक पंथियों के पंजों में चला गया। लड़ाई वर्चस्व में बदल गई। कट्टरपंथियों ने इस आड़ में बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार शुरू कर दिए। मंदिरों को धराशायी किया जाने लगा। साधुओं की हत्या की जाने लगी। हिंदुओं की दुकानें लूट ली गईं। हिंदू लड़कियों और औरतों की इज्जत तार–तार की गई।

दरअसल बांग्लादेश पर चाइना, पाकिस्तान व अमेरिका जैसे देशों की निगाह बहुत लंबे समय से थी। बीते बुधवार खुलासा हुआ कि अमेरिका ने हिंद महासागर में स्थित एक ऑस्ट्रेलियाई द्वीप समूह पर मिलिट्री बेस स्थापित करने की योजना बनाई है। यह द्वीप समूह मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित है। इस जलडमरूमध्य से होकर चीन के आधे से अधिक तेल का आयात होता है। अमेरिका यहां से चीनी पनडुब्बियों की भी निगरानी कर सकता है। यह खुलासा बांग्लादेश में हिंसा शुरू होते ही हुआ। बताया गया है कि अमेरिका, भारत के पूर्वी इलाके में भी एक ठिकाना चाहता है जिससे थाईलैंड व हिंद प्रशांत में अपनी निगरानी रख सके। इन देशों के साथ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार किसके करीब होगी, यह फिलहाल भविष्य के गर्भ में है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल–पुथल के बीच अंतरिम सरकार के कार्यवाहक के तौर पर नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस शपथ भी ले चुके हैं। इस अंतरिम सरकार पर कई संवैधानिक सवाल भी खड़े होने लगे हैं। मोहम्मद यूनुस के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने की होगी। साथ ही आरक्षण के मुद्दे पर उन्हें अग्निपथ से गुजरना पड़ेगा। इसके अलावा सबसे बड़ी व अहम चुनौती यह है कि अब बांग्लादेश के पड़ोसी देशों से द्विपक्षीय रिश्ते कैसे होंगे। शेख हसीना के भारत से रिश्ते हमेशा बेहतर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि वो 57 इस्लामिक राष्ट्रों को छोड़कर भारत पहुंचीं।

ऐसे में सवाल यह है कि क्या भारत अब बांग्लादेश से व्यापारिक संबंध बनाए रखेगा। उल्लेखनीय है कि भारत से बांग्लादेश हर वर्ष दस हजार करोड़ के ऑटो पार्ट्स जाते हैं। ऐसे समझिए की वहां की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री भारत से ही चलती है व इसके अलावा कई तरह की वस्तुओं का बड़े स्तर आयात–निर्यात होता है।

सघन वृक्षों की छांव में खिलखिलाता बचपन

प्रमोद दीक्षित मलय

"सर! बाहर देखिए, बच्चे अतूत के पेड़ के नीचे बेफालतू घूम रहे हैं।" कक्षा 2 में पढ़ रही मीनाक्षी ने मेरी दाहिनी बांह झिंझोड़ते हुए शिकायत की। उसके लहजे में उलाहना का स्वर भी शामिल था क्योंकि कल उसे शहतूत के पेड़ों के नीचे घूमने से मना किया था। दरअसल, नई चारदीवारी बनने के बाद मैदान समतलीकरण हेतु अभी भी वहां बिखरे पड़े ईंट–रोड़ा के ढेर में सांप–बिच्छू होने के भय के कारण बच्चों को उधर नहीं जाने देता। मैं बाहर निकला तो देखा कि 15–20 बच्चे शहतूत के पेड़ों के नीचे गिर हुए शहतूत के फल बीन रहे हैं। मुझे निकट आता देख बच्चे ठिठके और अपने बीने हुए शहतूत से भरी जेबें पकड़े नल की ओर चल पड़े। कक्षा 4 की छात्रा अंकिता ने मेरी ओर मुट्ठी खोल हथेली पसारते हुए कहा, " सर, आप भी खा लीजिए। बहुत मीठे हैं।" मैंने एक शहतूत मुंह में डालते हुए कहा कि कुछ शहतूत मीनाक्षी को दे दो। मीनाक्षी शहतूत पाकर चहक उठी, उसे शिकायत करने का मीठा फल मिल गया था। बच्चे अपनी–अपनी कक्षाओं की ओर बह चले थे। शहतूत के रस से मेरा मुंह भर गया और मिठास घुलने लगी। मन अतीत के उपवन की मधुर स्मृतियों में विचरण करने लगा था।

वह 7 अगस्त, 2019 का दिन था जब मैंने इस विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। स्कूल के पीछे चार फीट ऊंची चारदीवारी से घिरा एक बहुत छोटा खाली मैदान था जिस पर बेतरतीब उगी–फैली घास और बिखरा कूड़ा मुझे रोज चुनौती देता दिखाई देता। मैंने इस छोटी सी जगह को हरा–भरा करने का संकल्प ले लिया। अगले दिन सुबह ही मैंने विद्यालय के पड़ोस के अभिभावकों को बुला उनके पशुओं हेतु मैदान की घास काट कर ले जाने का अनुरोध किया। आधा घंटे में मैदान साफ हो गया। अगले दिन सफाई कर्मी बुला सभी कूड़ा बाहर गड्ढों में भरवा दिया। अगले तीन दिन में कुदाली–फावड़ा ले पौध लगाने लायक गड्ढे खोद डाले।

वन विभाग की नर्सरी से शीशम, सागौन के पौधे खरीदे। ग्राम प्रधान जी से अमरूद और आंवला के पौधे प्राप्त हुए। सीताफल, नीम और बेल बाजार से लाया, सहजन के पौधे विद्याधाम समिति के सौजन्य से मिले। ब्रह्मकमल, चांदनी, तुलसी, गुड़हल, बोगनविलिया आदि कुछ फूल और लताएं परिचित मित्रों से मांग लाया। धीरे–धीरे ये सब पौधे गड्ढों में लगने लगे। समुचित खाद पानी और देखरेख से अपनी जड़ें जमा बढ़ने लगे। वह छोटा सा मैदान अब संवरने लगा था। विद्यालय आते ही मैं एक–एक पौधे से अपने बच्चों की तरह मिलता, उनको स्पर्श कर बातें करता।

कटाई–छटाई हेतु बागवानी के उपकरण भी खरीद लिए थे। शिक्षक साथी सराहना कर विनोद करते कि आपके बच्चे अब अच्छी बढ़वार में हैं। यह सुन मैं खुशी से झूम उठता। पर मेरी खुशी जैसे किसी को रास न आई। एक सोमवार जब विद्यालय खोल मैदान पहुंचा तो देखा फूलों के पौधे गायब थे। कोई सभी पौधे उखाड़ ले गया था, एक पल को विश्वास नहीं हुआ पर सच सामने था। स्वयं को समझाया और अगले सप्ताह नये पौधे रोप दिए। गड्ढों में फिर जीवन सांसें लेने लगा। दिन बीतते समय न लगा, शीत ॠतु ने दस्तक दी। भयंकर ठंड के कारण छुट्टी घोषित हो गई और पंद्रह दिन बाद जब मैं विद्यालय पहुंचा मैदान को हालत देखकर मन चीत्कार कर उठा। पौधों को कोई तोड़ गया था। अधसूखी शाखाएं इधर–उधर बिखरी पड़ी थीं।

विचार करता रहा, आखिर विद्यालय के पौधों से किसे दिक्कत हो सकती है। मैंने तुरंत पड़ोस के अभिभावकों को बुलवाया। सब स्थिति दिखाई। वे बोले कि बहुत ग़लत हुआ है पर यह काम किसी बड़े का नहीं है। छुट्टियों में बच्चे चारदीवारी फांदकर घुस आते थे, खेलते थे। निश्चितरूप से उन्होंने ही किया है। वे चले गये, मन बहुत निराश हुआ। सोचा कि अब नहीं करना कुछ। सहसा मन में गूंजा "इतनी जल्दी हार स्वीकार कर ली। तुम्हें तो भविष्य निर्माण करना है। उठो, फिर खड़े हो। सफलता अवश्य मिलेगी।" लगा कि किसी अदृश्य शक्ति ने तन–मन में ऊर्जा, उत्साह का संचार कर दिया है। बागवानी के उपकरण उठाये, एक–एक पौधे की आवश्यकतानुसार कटिंग की। उस रात विचार करता रहा कि कहां चूक हो रही है, यही सोचते नींद के आगोश में चला गया। सुबह का सूरज मेरे लिए नवल संदेश लेकर उगा। मैंने निर्णय लिया कि प्रत्येक पौधे के साथ बच्चों की एक टोली को जोड़ कर देखरेख की जिम्मेदारी दूंगा। स्कूल जाने से पहले नर्सरी गया कुछ पौधे खरीदे और नये उत्साह से स्कूल पहुंचा। प्रार्थना सत्र में ही कक्षा चार एवं पांच के बच्चों से कहा कि जो बच्चे बागवानी सीख पौधों से दोस्ती करना चाहते हैं, हाथ उठायें। लगभग तीस मुट्ठियां हवा में लहरा गईं।

सभी बच्चों के साथ पेड़–पौधों के महत्व, देख–रेख पर बातचीत की। तीन–तीन बच्चों की टोलियां बना दीं। पेड़ों की नम्बरिंग करके जिम्मेदारी दी। बच्चों ने मिलकर लाए गए पौधे रोपे, पानी पिलाया, खुशी से चहकने लगे। मुझे लगने लगा कि वृक्ष संरक्षण की हिचकोले खाती गाड़ी सहजता से बढ़ने लगी। मैं देखता कि बच्चे जिम्मेदार हो रहे हैं, वे पौधों की चिंता करते, निराई–गुड़ाई कर पानी देते। सूखी पत्तियां और घास हटाते। रोज ही मुझसे प्रगति बताते, "सर, आज हमारे पौधों में नयी गुलाबी पत्तियां निकली हैं।" तो कोई खुशी से चहकती, "मेरा पौधा मुझसे एक बीता बड़ा हो गया।" तो कोई निराश हो बुझे स्वर में पूछता, " मेरे पौधों में फूल कब आएंगे सर।" एक महीने बाद टोलियों के साथ बैठक हुई। सभी ने अपने काम का विवरण साझा किया। हालांकि मुझसे कुछ भी छिपा नहीं था, मैं प्रत्येक दिन उन सभी की गतिविधि देखता रहता ही था। पौधे अब बिल्कुल सुरक्षित थे, छुट्टी के बाद भी बच्चे विद्यालय आकर एक–दो बार चारदीवारी से झांक जाते। मार्च का महीना आ गया था। शहतूत के पौधों में पहली बार फल लगे थे। ये लाल कत्थई रंग की बजाय हरे, मीठे एवं आकार में बड़े थे। रसोईयों द्वारा गोबर से लीपे गए मैदान में डालों को हिलाकर बच्चों ने एक छोटी टोकरी भर फल एकत्रित किए, जिन्हें सभी बच्चों में बांट दिया गया। पहली बार बच्चों ने शहतूत का स्वाद चखा था। अब तो स्कूल खुलते ही शहतूत बीनने को बच्चे पेड़ों की ओर दौड़ पड़ते। छोटे से मैदान को 30 से अधिक ऊंचे वृक्षों ने ढक लिया है। वृक्षों की छांव तले हंसते–खेलते बचपन को देख खुशी मिलती है कि कुछ सार्थक हो गया है। इन पेड़ों पर गिलहरियां धमाचौकड़ी करती हैं, चिड़ियां चहचहाती हैं। मेरी नज़र शहतूत के पौधों की ओर घूमी तो देखा कि कुछ बच्चे शहतूत बीन रहे थे। मेरे चेहरे पर खुशी उभर आई थी।

(लेखक शिक्षक हैं।)

जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डा. मनीष अग्रवाल (अध्यक्ष),अरुण प्रताप सिंह (सचिव),सीए मुकेश अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष)ललित गुप्ता सहित बने चार उपाध्यक्ष

चमकता राजस्थान

जयपुर। रविवार को संडे होटल में संपन्न हुये जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डा. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष पद पर तथा अरुण प्रताप सिंह मानद सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुये। जबकि सीए मुकेश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये। ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन व अनिरुद्ध सिंह राजावत उपाध्यक्ष चुने गये।

इन चुनावों में जिला क्रीड़ा परिषद् की ओर से राजेश कुमार टेलर, जयपुर जिला ओलम्पिक संघ की ओर से भंवर लाल शर्मा, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से चंद्रवीर सिंह राजावत पर्यवेक्षक के रुप में मौजूद थे। चुनाव अधिकारी रिटायर्ड खेल अधिकारी महेश चंद सैनी थे।

यह चुनाव राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट-2005 व नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड-2011 के प्रावधानों के तहत हुए है। निवर्तमान सचिव यश प्रताप सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का माला पहनाकर स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल ने कहा कि जल्दी ही कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर आगामी टूर्नामेंटों की रूपरेखा तैयार की जायेगी।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी :

अध्यक्षः डा. मनीष अग्रवाल। **वरिष्ठ उपाध्यक्षः** सीए मुकेश अग्रवाल। **उपाध्यक्षः** ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, सीए आशीष जैन, अनिरुद सिंह राजावत। **मानद सचिवः** अरुण प्रताप सिंह। **कोषाध्यक्षः** लोकेश शर्मा। **संयुक्त सचिवः** महिवर्दन सिंह, विनोद बालोदिया, पीयूष तिवारी, हर्षवर्धन सिंह सोलंकी। **कार्यकारिणी सदस्यः** दीपक गुप्ता, मोहित शर्मा, दीपेंद्र प्रधान, अभिनव पालीवाल।

संक्षिप्त समाचार

निश्चय संस्थान एवं फ़िट्योग संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर। निश्चय संस्थान एवं फ़िट्योग संस्थान की से आज श्याम नगर स्थित ग्रास फील्ड क्लब में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया,निश्चय संस्थान का यह चौथा रक्तदान शिविर था,इस दौरान रक्तदान शिविर में बड़ी तादाद में युवाओं ने रक्तदान कर अपने नैतिक दायित्व का निर्वहन किया,भारत सरकार के एक पेड़ धरती माँ के नाम में अपनी सहभागिता निभाते हुए संस्थान ने सभी रक्तदाताओं को एक पेड़ भेंट स्वरूप दिया,संस्था के फाउंडर अमन अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान शिविर में 275 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया,इस दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास,संजय अग्रवाल डॉ सुनील ढँड ,योगाचार्य ढाका राम सापकोटा,अरविंद सिंह,डॉ मुकेश गुप्ता,नितिन, विवेक, किशन, अविनाश, राकेश, मोहक, ऋषि समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे ,इस अवसर पर निःशुल्क डायबिटीज, थाइरोइड,आँखों की जाँच,बोन मास डेंसिटी की जाँच की गई।

गांव नगला होंता (श्री नगर) में पोखर की ढाय गिरने से 7 युवकों की हुई मौत

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) जिले के नगला होंता गांव(श्री नगर) में बाणगंगा नदी के बाहरी क्षेत्र में बनी एक पोखर की ढाय पर बैठकर गांव के कुछ युवक पानी का बहाव देख रहे थे, इसी दौरान पोखर की ढाय गिर गई, ढाय गिरने से सभी युवक उसके नीचे दब गए। ढाय गिरते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। पानी का बहाव देखने के लिए वहां मौजूद लोगों की भीड़ ने तुरंत दबे युवकों को बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य शुरू कर किया. साथ ही घटना के संबंध में पुलिस को सूचना दी.

झील चौकी के हेड कांस्टेबल धर्मवीर ने बताया कि घटना में नगला होंता के पवन (15), सौरभ सिंह (16), भूपेंद्र (18), शांतनु (18), लक्खी (20), गौरव (16) और पवन (22) पुत्र सुगड़ सिंह की मौत हो गई है. सभी के शव निकाल लिए गए हैं.

रिक्त सीटों के लिए फिर से आवेदन, विद्यार्थियों के लिए एक और मौका

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी राजकीय महाविद्यालय बाड़ी में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में श्रेणीवार रिक्त रही सीटों पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजकीय महाविद्यालय बाड़ी में बीए प्रथम सेमेस्टर में 200 सीटों मे से 178 सीटों पर, बीएससी बायोलॉजी प्रथम सेमेस्टर में 44 सीटों में से 34 सीटों पर और बीएससी प्रथम सेमेस्टर गणित में 44 सीटों में से 12 सीटों पर विधार्थियों का प्रवेश हो चुका है। शेष रिक्त रही सीटों पर बीए में ओबीसी, ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में, बीएससी बायो में ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एमबीसी, एससी, एसटी कैटेगरी में और बीएससी गणित में सभी कैटेगरी में 16 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। राजकीय महाविद्यालय बाड़ी के यूजी नोडल प्रवेश अधिकारी केशव यादव ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक विधार्थी निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकेंगे। इसी प्रकार राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़ी में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में श्रेणीवार रिक्त रही सीटों मे 400 में से 214 सीटो पर प्रवेश हो चुका है।

शेष रिक्त रही सीटों पर बी .ए . फर्स्ट सेमेस्टर में ओबीसी ,एहर, टइउ, रउ, रळ कैटेगरी में 16 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते है। नोडल अधिकारी गुमान सिंह मीणा ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्रों को ऑनलाइन सत्यापन 17 अगस्त तक किया जाएगा। रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 20 अगस्त को होगा। मूल दस्तावेजो का सत्यापन और ईमित्र पर शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि 24 अगस्त निर्धारित रहेगी। प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची 27 अगस्त को घोषित होगी।

जयपुर के नागरिकों द्वारा शुरू पहल 'स्ट्राइव टू रिवाइव रामगढ़ लेक' के अंतर्गत

चमकता राजस्थान

जयपुर। ऐतिहासिक रामगढ़ लेक के पुनरुद्धार और संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने के एक प्रयास के रूप में रविवार को 'रामगढ़ मॉनसून साइकिल राइड एक्सपीडिशन' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जयपुर के नागरिकों के एक समूह द्वारा शुरू की गई पहल 'स्ट्राइव टू रिवाइव रामगढ़ लेक' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस मॉनसून साइकिल राइड की शुरूआत सेक्रेटेरिएट नर्सरी, सी-स्कीम से की गई, जहां से सुबह 5.15 बजे वरिष्ठ पत्रकार जीतेन्द्र सिंह शेखावत ने राइड को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह जानकारी 'स्ट्राइव टू रिवाइव रामगढ़ लेक' कैम्पेन के फाउंडर, नायला के ठाकुर दुष्यन्त सिंह ने दी। इस कैम्पेन के को-फाउंडर, ठाकुर हेमेंद्र सिंह वेदसा ने बताया कि यह एक्सपीडिशन राइड गलता से नायला गांव होते हुए रामगढ़ लॉज पहुंची। जहां नायला गांव में नायला सरपंच प्रहलाद माली ने और जामवा रामगढ़ में विधायक महेंद्र पाल मीना ने साइक्लिस्ट का स्वागत और राइड को हरी झंडी दिखाकर आगे रवाना किया। वहीं रामगढ़ लॉज पहुंने पर जनरल मैनेजर, जगत सिंह ने साइक्लिस्ट का स्वागत और मेजबानी की। उन्होंने आगे बताया कि इस साइकिल राइड एक्सपीडिशन' में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सबसे कम उम्र के साइक्लिस्ट 13 वर्षीय गुरुमन सहित आईएफएस अधिकारी, केसी मीणा और जामवा रामगढ़, डिप्टी एसपी, प्रदीप गोयल भी शामिल थे। 'स्ट्राइव टू रिवाइव रामगढ़ लेक' कैम्पेन के वरिष्ठ सदस्य, एस एन सिंह ने बताया कि राइड वापस सेक्रेटेरिएट नर्सरी पर आकर समाप्त हुई, जहां पर इस कैम्पेन के सदस्यों और प्रतिभागियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

इस आयोजन के लिए रामबाग पैलेस जयपुर, जयपुर विरासत फाउंडेशन, एमटीबी जयपुर, फायर फॉक्स, सोशल संपर्क सहित अन्य संस्थानों ने सहयोग किया। इस अवसर पर जयपुर विरासत फाउंडेशन से रक्षत हूजा और नीरज चौहान उपस्थित थे। वहीं एमटीबी जयपुर से त्रिलोक शर्मा और इंदु गुर्जर मौजूद रहे।

भरतपुर सांसद संजना जाटव की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब उनके पति के कंधों पर

सांसद संजना जाटव का कहना है कि मेरे पति, मेरा सबसे बड़ा सहारा और मेरी ताकत हैं

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)। संजना जाटव की शादी 2016 में अलवर जिले की कठूमर विधानसभा क्षेत्र के गांव समूची निवासी कप्तान सिंह से हुई थी। कप्तान सिंह राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के पद पर अलवर के थानागाजी थाने पर कार्यरत थे। सांसद संजना जाटव का कहना है कि मेरे पति, मेरा सबसे बड़ा सहारा और मेरी ताकत हैं। अब ड्यूटी के दौरान भी मेरे साथ रहेंगे। वहीं पति कप्तान सिंह का कहना है कि मेरे साथ रहने से उनका मनोबल और हिम्मत बढ़ेगी।

कार्यक्रम में साथ रहते हैं पति कप्तान

» जानकारी के अनुसार, लोकसभा चुनाव प्रचार प्रसार के दौरान जब संजना जाटव थक जाती थीं तो उनके पति द्वारा उनका मनोबल और हिम्मत बढ़ाई जाती थी। उन्हें किस तरह से लोगों से बातचीत करनी है, यह उनके पति बताते रहते थे। इसके अलावा स्वास्थ्य को लेकर के भी उन्हें सतर्क करते रहते थे। सांसद बनने के बाद पति विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत करने दौरान अधिकांश तौर पर साथ रहते हैं।

● राजस्थान की सबसे कम उम्र की सांसद

संजना जाटव सबसे पहले 2021 में अलवर के वार्ड नंबर 29 से जिला परिषद सदस्य का चुनाव लड़ीं और विजय हुईं। इसके बाद 2023 में कठूमर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी ने विधायक का टिकट दिया। हालांकि संजना मात्र 409 वोट से विधानसभा का चुनाव हार गईं। फिर कांग्रेस पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भरतपुर लोकसभा क्षेत्र से संजना जाटव को उम्मीदवार बनाया और संजना जाटव ने भाजपा के प्रत्याशी रामस्वरूप कोली को करीब 52,000 वोटों से हराकर विजय प्राप्त की। इसके साथ ही वो मात्र 26 साल की उम्र में राजस्थान की सबसे कम उम्र की सांसद बन गईं।

बाड़ी कुशवाहा समाज के अध्यक्ष बने शिवराम सिंह कुशवाहा

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) । आज दिनांकः- 11 अगस्त 2024 को कुशवाह धर्मशाला में कुशवाहा समाज की मीटिंग हुई मीटिंग की अध्यक्षता किशोरी लाल कुशवाह ने की जिसमें सर्व सहमति से नवीन कार्यकारिणी का चुनाव किया गया! बाड़ी कुशवाहा समाज के अध्यक्ष शिवरामसिंह कुशवाह पुत्र चरणसिंह आढतीया बिदारपुर वाले, उपाध्यक्ष राकेश कुमार पुत्र रामखिलाड़ी आढतीया, महामंत्री विजय सिंह पुत्र सामंत सिंह सैपऊ रोड बाडी, कोषाध्यक्ष नवलसिंह पुत्र भगवान सिंह महल बाड़ी इन सभी को सर्व सम्मति से भिन्न-भिन्न पदों पर नियुक्त किया उपस्थित रहे, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति रामबाबू लट वाले नारायण सिंह अध्यापक कुशवाहा फाउंडेशन के अध्यक्ष रिंकू, उपाध्यक्ष बॉबी और उनकी समस्त कार्यकारिणी टीम रूप सिंह आढतीया हरि सिंह हलवाई विशंबर दयाल आढतीया मंगल सिंह पार्षद पूर्व अध्यक्ष महेश कुशवाहा पूरन सिंह आढतीया आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय सिंह, भूपसिह, सीताराम, सामंतसिंह पूर्व आध्यक्ष पूर्व उप प्रधान कृपाल सिंह, भगवानदास, कलुआ राम, भोगीराम, कमल सिंह, मोहन सिंह, हुकमसिंह आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय सिंह कुशवाह नथीलाल चंद्रभान सिंह होतम सिंह हुकम सिंह रामबिराज हर्षित चंदन सिंह जीतू वीरपाल मुकेश राकेश आदमपुर राजकुमार सूरज प्रताप सिंह एडवोकेट आदि सैकड़ो की संख्या में समाज के लोक उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भैरुं नगर में किया पौधारोपण

● अंतराष्ट्रीय अवॉर्ड प्राप्त सुरेश मीणा किशोरपुरा की अभियान को सफल बनाने की अपील

चमकता राजस्थान/उदयपुरवाटी/ चंवरा। (सुमेर सिंह राव) । किशोरपुरा गांव के भैरुं नगर में रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत युवा भाजपा नेता सुमेर गुर्जर किशोरपुरा ने हर साल 25 पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। प्रमुख समाजसेवी सुरेश मीणा किशोरपुरा के आतिथ्य में लोगों ने छांयादार पेड़ लगाये । इस मोके पर धोली देवी, राजेश खटाणा किशोरपुरा,बाबूलाल धाबाई,राजवीर गुर्जर,दलीप गुर्जर भरत सैन, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद द्वारा बनाया गया हरियाली तीज महोत्सव

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) । बाड़ी भारत विकास परिषद मुख्य शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के तहत चतुर्थ कार्यक्रम हरियाली तीज का आयोजन आदर्श विद्या मंदिर धौलपुर रोड बाड़ी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चरणों में दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम गायन के साथ किया गया। प्रांतीय महिला संयोजिका सरोज मंगल ने हरियाली तीज के पर्व के बारे मे बताया कि इस दिन भगवान शिव और पार्वती जी का पुनर्मिलन हुआ था। इस दिन महिलाएं अपने अखंड सौभाग्य के लिए व्रत रखती है कार्यक्रम में सरोज मंगल और निर्मला गर्ग द्वारा किए गए एक्ट ने सबको हंसा - हंसा कर लोटपोट कर दिया। नीतू सिंघल, अंजना गुप्ता, दीपा अग्रवाल, रेखा मंगल, पूनम सोनी, शीला मीणा, भावना शिवहरे सहित अधिकांश महिलाओं ने अपने अपने नृत्य की प्रस्तुतियां दी महिलाओं ने भजन, चुटकुले सुनाए, गेम भी खेले गए। कार्यक्रम का संचालन दीपिका मंगल द्वारा किया गया! कार्यक्रम में महिला संयोजिका रितु सिंघल, कार्यक्रम संयोजिका पुष्पा मित्तल, नीतू सिंघल, माधुरी बंसल, प्रीति सिंघल, मंजू मंगल, अर्चना मंगल, गीता मित्तल, स्वप्निल यादव, पुष्पा मित्तल, हेमलता गोयल, रमा रावत, सोनू बंसल, शिमला मंगल, राधा गोयल, इंदिरा गोयल सहित करीब 50 महिलाएं उपस्थित रही !कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया!

संक्षिप्त खबरें

पूरी तरह टूट कर बिखर चुकी है वार्ड नंबर 24 की सड़के

- राव कॉलोनी में हनुमान जी महाराज के सामने चबूतरा भी पूरी तरह टूट कर बिखरा
- वार्ड नंबर 24 में टूटी फूटी सड़कों का कोई धनी धोरी नहीं

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी। (सुमेर सिंह राव)। कस्बे में पहाड़ी की तलहटी में स्थित वार्ड नंबर 24 में सड़के पूरी तरह टूट कर बिखर चुकी है ' कई सालों पहले वार्ड में सड़कों का काम हुआ था उसके बाद किसी ने भी आज तक टूटी-फूटी सड़कों की शुद्ध तक नहीं ली ' यही हाल राव कॉलोनी में स्थित हनुमान जी महाराज के मंदिर के सामने नगर पालिका द्वारा बनाए गए चबूतरे का है वह भी पूरी तरह टूटकर बिखर चुका है ' हनुमान जी महाराज के मंदिर में सुबह-शाम सैकड़ो श्रद्धालु मन्नत मांगने के लिए आते हैं ' टूटी फूटी सड़कों को लेकर वार्ड के लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है ' वार्ड के लोगों ने हमारे उदयपुरवाटी संवाददाता को बताया की जर्जर सडको के कारण पैदल राहगीरों एवं दुपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा है ' वार्ड के लोगो का कहना है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उच्च अधिकारियों को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया जाएगा '

लोहार्गल के सूर्य मंदिर में भाजपा नेता सरवन सिंह बागड़ी ने लगाई धोक मांगी मन्नत

- मंदिर के महंत अवधेशाचार्य महाराज से लिया आशीर्वाद

सुमेर सिंह राव /उदयपुरवाटी। निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में स्थित सूर्य मंदिर परिसर में रविवार को भाजपा नेता सरवन सिंह बागड़ी में अपनी पत्नी के साथ धोक लगाकर मन्नत मांगी ' भाजपा नेता सरवन सिंह बागड़ी ने सूर्य मंदिर में धोक लगाकर प्रदेश की खुशहाली की कामना की ' इस दौरान मंदिर के महंत पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री रामानुजाचार्य महंत स्वामी अवधेशाचार्य महाराज ने भाजपा नेता को साल औढाकर आशीर्वाद दिया।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे सुनियोजित हमले शर्मनाक, शांति का हो प्रयासः अंशु

अररिया। युवा भाजपा नेता सह फारबिसगंज विधायक प्रतिनिधि अविनाश कन्नौजिया अंशु ने केंद्र सरकार सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं एवं संगठनों से मांग की है कि बांग्लादेश के हिन्दू सहित समस्त अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस कदम उठाना चाहिए। उन्होंने बांग्लादेश में हो रहे सुनियोजित हमले को शर्मनाक करार देते हुए शांति बहाली की दिशा में प्रयास करने की मांग की। अविनाश कन्नौजिया अंशु ने कहा कि बांग्लादेश में जिस प्रकार से मजहबी कट्टरपंथी शक्तियों ने पूरे देश को अराजकता तथा हिंसा में झोंक दिया है और लगातार हत्याओं सहित जघन्यतम तथा वीभत्स कृत्य सामने आ रहे हैं, वह बहुत ही चिंताजनक है। बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों से अल्पसंख्यकों के मकान, दुकान, पूजा स्थलों पर लगातार हमले, हिंदुओं तथा उनसे जुड़े स्थलों पर हमले की दुखद तथा मार्मिक स्थिति सामने आ रही हैं। बांग्लादेश के हिन्दू सहित समस्त अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए शीघ्र ठोस कदम उठाना चाहिए।

सप्तक्रांति एक्स ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

पूर्वी चंपारण। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बलुआ ओवरब्रिज के समीप शनिवार को अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर एक अधेड़ की मौत हो गयी। मृतक की पहचान मलाही थाना के नगदाहां गांव निवासी विंध्याचल प्रसाद (59) के रूप में हुई है।बताया गया कि बलुआ आरओबी के समीप विंध्याचल प्रसाद अप सप्तक्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से उनका शरीर कमर के पास से दो हिस्सों में विभक्त हो गया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची बापूधाम मोतिहारी रेल थाना पुलिस शव को रेलवे ट्रैक से उठाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया।

अब एक्शन मूड में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, कहा

रेपिस्ट को फांसी पर लटका देंगे,' डॉक्टर से रेप, फिर मर्डर

अगर जरूरत पड़ी तो आरोपियों को फांसी पर लटका दिया जाएगा

संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता के आर जी कर अस्पताल में 31 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई` आरोप कोलकाता पुलिस कर्मियों के साथ काम करने वाले एक सिभिक वालेंटियर पर लगा है` उसे शनिवार को गिरफ्तार किया गया ` संजय रॉय को सात सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन के बमुश्किल छह घंटे बाद हिरासत में लिया गया` 35 वर्षीय व्यक्ति को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां कोई भी वकील उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार नहीं हुआ। सरकारी वकील द्वारा 31 वर्षीय डॉक्टर पर हमले की तुलना 2012 के निर्भया मामले से करने के बाद अदालत ने संजय रॉय को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अब इस मामले में सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो आरोपियों को फांसी पर लटका दिया जाएगा ।

संजय रॉय एक सिभिक वालंटियर हैं। ऐसे स्वयंसेवक गैर-कानून प्रवर्तन भूमिकाओं में पुलिसकर्मियों की मदद करते हैं और जबकि उन्हें राज्य द्वारा भुगतान किया जाता है, वे आधिकारिक तौर पर बल का हिस्सा नहीं होते हैं` 2019 में भर्ती हुए रॉय को कई मौकों पर आर जी कर अस्पताल की पुलिस चौकी में तैनात किया गया था और इसलिए हर विभाग में उनकी आसान पहुंच थी`। रेप साइड से उसका फटा हुआ ईयरफोन मिला ।

सीसीटीवी फुटेज में रॉय को सुबह 4 बजे अपने कानों में ब्लूटूथ डिवाइस लगाकर आपातकालीन भवन में प्रवेश करते हुए दिखा गया था` जब वह 40 मिनट बाद इमारत से बाहर निकला, तो ईयरफोन गायब था` पुलिस ने कहा कि बाद में डिवाइस को उसके सेलफोन से जोड़ा गया ` शुक्रवार देर रात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर यौन हमले की पुष्टि हुई` रिपोर्ट में कहा गया है कि शरीर पर चोटों और संघर्ष के कई निशान थे` चेहरे, आंखों और चेहरे पर खून के धब्बे, खरोंच के निशान और निजी अंगों में घाव। कॉलर बोन टूटी हुई थी `। कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने कहा कि हमने घटनास्थल से एकत्र की गई वस्तुओं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले में उसकी मजबूत संलिप्तता के कारण आरोपी को गिरफ्तार किया है` जांच से पता चला है कि जब रॉय ने उस पर हमला किया तो डॉक्टर सो रही थीं` उसने और उसके दो जूनियर ने आधी रात के बाद खाना ऑर्डर किया और कम से कम पांच डॉक्टरों ने ओलंपिक में नीरज चोपड़ा को रजत जीतते हुए देखने के दौरान सेमिनार रूम में एक साथ खाना खाया। रात के खाने के बाद, बाकी लोग चले गए जबकि उसने थोड़ी देर के लिए पढ़ाई और आराम करने का फैसला किया। सूत्रों के अनुसार, उसे कम से कम 3 बजे तक सेमिनार रूम में सोते हुए देखा गया ।

सूत्रों ने कहा कि रॉय ने पहली बार रात 11 बजे के आसपास आर जी कर अस्पताल परिसर में प्रवेश किया । वह नशे में था । वह जल्द ही अस्पताल परिसर से बाहर निकल गया और कथित तौर पर कुछ और पी लिया। सुबह 4 बजे के आसपास, उसे आपातकालीन भवन में प्रवेश करते देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में दिखाया गया कि पांच अन्य लोग उस क्षेत्र में पहुंचे थे, लेकिन केवल रॉय ही अपनी उपस्थिति के बारे में नहीं बता सका । बाद में उसने अपना अपराध कबूल कर लिया और डॉक्टर के संघर्ष करने पर उसका गला दबाने की बात स्वीकार की।

डॉ. सुकांत मजूमदार ने जेपी नड्डा को लिखा पत्र, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग

संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता के सरकारी हॉस्पिटल में पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को रविवार को पत्र लिखा।

पत्र में उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई दुखद घटना के बाद सुधारात्मक कदम उठाने का अनुरोध किया।

सुकांत मजूमदार ने जेपी नड्डा के नाम लिखे पत्र में घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव अस्पताल के सेमिनार हॉल में अर्धनग्न अवस्था में पाया गया, जिस पर गंभीर हमले के निशान थे, उसके गुप्तांगों से खून बह रहे थे, शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान थे। ऐसे सबूत मिले कि उसका गला घोंटा गया। पीड़िता के साथ उसकी मृत्यु से पहले यौन उत्पीड़न किया गया था।

उन्होंने पत्र में लिखा, ₹इस घटना के बाद चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों और आम जनता में व्यापक आक्रोश है, जिसके चलते विरोध-प्रदर्शन किया गया और कैंडल मार्च निकाले गए। इस पूरे मामले में गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मैं आपसे तत्काल चिंताओं को दूर करने और भविष्य में ऐसी घटना नहीं हो, इसके लिए कुछ सुधारात्मक उपायों पर विचार करने का अनुरोध करता हूं।₹ उन्होंने कहा कि सीबीआई से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। इसके अलावा, सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की टीम भेजने और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए जाएं। उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टाफ को मनोवैज्ञानिक और नैतिक समर्थन देने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काउंसलिंग सेवाएं प्रदान की जाए। डॉक्टरों को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के लिए बुनियादी ढांचे की समीक्षा और सुधार किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम चिकित्सा जगत के लोगों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित करें। बता दें कि पिछले दिनों कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की महिला डॉक्टर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। वह अस्पताल में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा थी और हाउस स्टाफ के रूप में भी काम कर रही थी। अस्पताल के कर्मचारियों ने दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल की आपातकालीन बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर उनका शव देखा था।

एमडीए अभियान के दौरान सभी करें फाइलेरिया की दवा का सेवनः राज्यपाल

एजेंसी

किशनगंज। राज्य के 13 जिलों में एमडीए अभियान की शुरूआत 10 अगस्त से हो चुकी है। अभियान को सफल बनाने एवं उसमे सहयोग करने के लिए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सभी राज्यवासियों से अपील की है।

अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा है कि फाइलेरिया, जिसे हम हाथीपांव के नाम से भी जानते हैं एक अति गंभीर बीमारी है। यह बीमारी मच्छर के काटने से होती है। फाइलेरिया विश्व की दूसरी ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसके कारण लोग पूर्ण रूप से विकलांग हो जाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार के सभी 38 जिले इस बीमारी से प्रभावित हैं यानी इस राज्य में रहने वाले हम सब लोगों को इस बीमारी के होने का खतरा है। फाइलेरिया का संक्रमण अक्सर बचपन में होता है और हाथीपांव जैसी स्थिति बनने में लगभग 8 से 15 साल का समय लग सकता है। यदि एक बार हाथीपांव वाला फाइलेरिया हो गया तो इसका इलाज संभव नहीं है लेकिन इससे बचाव बहुत ही आसान है। इसके लिए वर्ष में सिर्फ एक बार सरकार द्वारा खिलाई जाने वाली फाइलेरिया रोधी सभी दवाएं स्वास्थ्य कार्यकर्ता के सामने सब को खानी है, यहां तक की स्वस्थ दिखने वाले व्यक्ति को भी। राज्यपाल ने कहा कि 10 अगस्त से फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) आपके जिले में शुरू किया जा चुका है, जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्ता आपके क्षेत्र में घर-घर जाकर अपने सामने फाइलेरिया रोधी दवाएं खिला रहीं हैं। राज्यपाल ने सभी से अनुरोध किया कि पूरे परिवार के साथ इन दवाओं का सेवन स्वास्थ्यकर्मी के सामने करें और बिहार को फाइलेरिया के दंश से मुक्त करें।

सभी जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मैं सभी जनप्रतिनिधियों से अपील करता हूं कि वे अपने क्षेत्र में सबको दवा खिलाने में स्वास्थ्यकर्मियों की मदद करें ताकि बिहार को फाइलेरिया जैसी खतरनाक बीमारी से मुक्त किया जा सके।

एमजीसीयू और बीआरएबीयू के बीच अकादमिक विकास-अनुसंधान का समझौता

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय (बीआरएबीयू) के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम एमजीसीयू के प्रशासनिक भवन में आयोजित किया गया, जहां एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. डी.सी. राय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) का मुख्य उद्देश्य एमजीसीयू और बीआरएबीयू के बीच अकादमिक, अनुसंधान, परामर्श, प्रशिक्षण, ज्ञान साझाकरण, फैकल्टी विकास और उनके आदान-प्रदान पर जोर और संयुक्त कार्यक्रमों के क्षेत्र में सहयोग का एक ढांचा स्थापित करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, यह एमओयू एमजीसीयू की शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उच्चतर मानकों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम बीआरएबीयू के साथ मिलकर कई नए आयाम स्थापित करेंगे। इससे दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को लाभ होगा और ज्ञान के आदान-प्रदान के बेहतर अवसर भी प्राप्त होंगे। प्रो. डी.सी. राय ने भी इस एमओयू को दोनों संस्थानों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह साझेदारी दोनों विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक और अनुसंधान प्रयासों को समृद्ध करेगी। इससे हमारे विद्यार्थियों और शोधकताओं को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि इस एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को सशक्त करने के लिए कई संयुक्त कार्यक्रमों और परियोजनाओं को प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति रही।

जाते-जाते 2 लोगों की आंखों को नई रोशनी दे गए पूर्व मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के आंखों को 2 व्यक्तियों में सफलतापूर्वक प्रतिरोपित किया गया है। इस तरह इन दोनों मरीजों को फिर से रोशनी मिल जाएगी। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जिन दोनों व्यक्तियों में आंखों प्रतिरोपित किया गया है, उनमें से एक पुरुष और एक महिला है। क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉक्टर असीम कुमार घोष ने कहा कि गुरुवार की रात को की गई सर्जरी सफल रही और दोनों मरीज अब ठीक हो रहे हैं। डॉक्टर ने भट्टाचार्य के फैसले की प्रशंसा की और इसे एक प्रेरणादायक कार्य बताया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को कोलकाता में उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

सौरभ कुमार ने जलजमाव से निजात को लेकर नगर विकास मंत्री को सौपा मांगपत्र

एजेंसी

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी के कटिहार जिला महामंत्री सौरभ कुमार मालाकार ने प्रदेश के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन से पटना स्थित उनके आवास पर भेंट कर एक मांग पत्र सौपा। मालाकार ने कटिहार शहर में बुडको द्वारा स्ट्रांग वॉटर ड्रेनेज सिस्टम का कार्य काफी धीमी गति से चलने के कारण जलजमाव की स्थिति से शहर वासियों को काफी परेशानी हो रही है इस पर जल्द उचित कार्रवाई कर कार्य में गति लाने का मंत्री से आग्रह किया। मांग पत्र के माध्यम से जिला महामंत्री सौरभ मालाकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कटिहार शहर में बड़ी संख्या में पांचवा पेज के लिए लाभुकों द्वारा आवेदन दिया गया है उसे जल्द से जल्द चालू करने को लेकर मंत्री से आग्रह किया। जिला महामंत्री ने कटिहार शहर में मुख्य सड़क के चौड़ी करण के साथ-साथ गौशाला राम सभा से कारी कोसी होते हुए हवाई अड्डा चौक से लेकर शरीफगंज नया टोला तक सड़क की चौड़ी करण एवं नाला का निर्माण के लिए मंत्री से विशेष आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि आजादी के बरसों बीत जाने के बाद भी इस क्षेत्र के लोगों को जलजमाव एवं निकासी नहीं होने के कारण नाला निर्माण नहीं होने से बरसात के मौसम में एवं अन्य दिनो में जल निकासी में काफी कठिनाई होती है। नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द कटिहार शहर सहित बिहार में बुडको द्वारा चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर कार्यों में तीव्र गति और बेहतर करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाएगा।

बिहार एग्रीकल्चर की छात्राओ ने लिया मिट्टी जांच का प्रशिक्षण

जीवाणुओं को रसायनिक खाद के उपयोग से नुकसान पहुंचा

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपरा कोठी स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रयोगशाला में तिरहुत कृषि महाविधासय पूसा की छात्राओ को मिट्टी जांच का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने छात्राओ को मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा की जांच करने का प्रशिक्षण देते हुए बताया रसायनिक खादों के अत्यधित प्रयोग के कारण न केवल पर्यावरणीय संकट बढ रहा है,बल्कि खेतों में जैविक कार्बन की मात्रा भी घट रही है।ऐसे मिट्टी की जांच का महत्व काफी बढ गया है,क्योकी मिट्टी जांच के आधार पर ऐसा सामने आया है,कि किसान भाई बेतहाशा रसायनिक उर्वरक व कीटनाशकों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे मिट्टी मे न्यूनतम जैविक कार्बन की मात्रा 0.5 प्रतिशत से भी कम दर्ज की जा रही है,जबकि मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा कम से कम 0.75% या उससे उपर होना चाहिए।

उन्होने कहा कि विगत दो-तीन दशको में रसायनिक खेती व ट्रैक्टर से खेत की जूताई -गुड़ाई के बढे प्रचलन के कारण मिट्टी के मित्र माने जाने वाले केंचुए व अन्य लाभदायक जीवाणु का क्षरण हो रहा है ऐसे में किसान भाईयों को एक बार पुनः प्राकृतिक खेती की ओर रूख करना होगा। डा. राय ने छात्राओं को बताया कि प्रतिग्राम स्वस्थ मिट्टी अपने मूल स्वरूप में करोड़ों की संख्या में जीवाणुओं को साथ रखती है जो अपनी क्रियाओ से आवश्यक पोषक तत्वों को जमीन में गहराई से ऊपर लाकर भूमि को उपजाऊ बनाती है। वहीं कुछ पोषक तत्व का लेग्युमिनस रूट्स से और मल्चिंग से आपूर्ति होती है।

उन्होंने कहा कि इन जीवाणुओ को रसायनिक खाद के उपयोग ने काफी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में इनकी संख्या बढाने के लिए देशी गाय के गोबर के साथ प्राकृतिक रूप से तैयार पंचगव्य,जीवामृत घनजीवामृत बीजामृत सहित अन्य साधनों का प्रयोग जरूरी है। उन्होने बताया कि देशी गाय के एक ग्राम गोबर में करोड़ों लाभकारी जीवाणु होते हैं।

डॉ अरविंद कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में मृदा विशेषज्ञ डॉ आशीष राय ने केवीके पिपराकोठी के मिट्टी जांच प्रयोगशाला में विभिन्न जांच पहलुओं के बारे में भी बताया। वही प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं में मुख्य रुप से उर्वशी, तनु, सुंबुल, कृतिका आदि ने बताया कि उन्हें प्रयोगशाला में स्वतंत्र रुप से कार्य करने का मौका मिला है और जैविक कार्बन के कई नमूनों को टेस्ट करने पर यह पाया गया है कि मिट्टी में जैविक कार्बन की कमी हो रही है इसके लिए किसानो को अपने खेत में खाद के रूप में हरी खाद,अजोला, केचुआ खाद, कंपोस्ट, ढैंचा आदि इस्तमाल को बढाना चाहिए।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के खिलाफ किशनगंज में निकाला जुलूस

एजेंसी

किशनगंज। बांग्लादेश में हिन्दुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ किशनगंज में हिन्दू संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। हाथ में बैनर पोस्टर लेकर उन्होंने विरोध दर्ज कराया। इस दौरान लोग भारत माता की जय, वंदे मातरम और बांग्लादेश मुदार्बाद के नारे लगा रहे थे। कृष्ण कुमार वैद, सदस्य, आरएसएस ने बताया की बांग्लादेश में खुले आम बहू-बेटियों की अस्मत लूटी जा रही है। लोगों की हत्या हो रही है, लेकिन वहां की सरकार मूकदर्शक बन कर बैठी है। उन्होंने कहा की हमारी मांग है की भारत सरकार हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही जितने भी बांग्लादेशी नागरिक भारत में शरण लेना चाहते हैं उन्हें जमीन दे कर बसाया जाए। 1971 से अभी तक लगातार बांग्लादेश में हिंदू प्रताड़ित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा की बांग्लादेश मानवता को शर्मशार कर रहा है। वहां के लोग अत्याचार की सीमाओं को लांघ गये हैं। जितने भी अल्पसंख्यक बांग्लादेश से भारत आना चाहते हैं उतनी जमीन बांग्लादेश हमे दे। उन्होंने कहा कि 1965, 1971 में शरणार्थी आए लेकिन हमने शरण दिया और जमीन नहीं लिया लेकिन अब ऐसा नहीं होगा जितने शरणार्थी यहां आते है उतनी जमीन हमे बांग्लादेश दे, वरना जमीन छीन कर लेंगे। गौर करे कि बांग्लादेश में तख्ता पलट हो चुका है। वहां पर शेख हसीना की सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रदर्शन के चलते देश छोड़कर भागना पड़ा।

ओटीटी पर रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन

प्राइम वीडियो पर हुई स्ट्रीम

कार्तिक आर्यन स्टारर स्पोर्ट्स बायोग्राफिकल फिल्म चंदू चैंपियन अब सिनेमा के तीसरे पर्दे ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है. चंदू चैंपयिन बीती 14 जून को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. चंदू चैंपियन को एक था टाइगर के डायरेक्टर कबीर खान ने डायरेक्ट किया है. चंदू चैंपियन भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडेलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी है. खुद गोल्ड मेडेलिस्ट ने इस फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग पर देखा था. अब देश के इस पूर्व स्टार खिलाड़ी की कहानी ओटीटी पर भी स्ट्रीम होने जा रही है. चंदू चैंपयिन कब और किस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी आइए जानते हैं. चंदू चैंपियन आज प्राइम वीडियो पर दुनियाभर के 240 से ज्यादा देश और टेरेटरी में स्ट्रीम हो रही है. बता दें, फिल्म चंदू चैंपियन के मेकर्स नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने बीती रात को एक रेंडम एक्स पोस्ट में फिल्म की ओटीटी रिलीज की तारीख का एलान किया है. इस पोस्ट में मेकर्स ने लिखा है, यह कहानी जिंदगी में आने वाली लाख कठिनाईयों से उबरने वाले स्टार की है, आप भी इस कहानी के हीरो की जिंदगी के गवाह बनें. आप चंदू चैंपियन को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं 9 अगस्त से. चंदू चैंपियन एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है. इसमें साल 1965 के भारत-पाक के वार के सैनिक जो घायले हुए थे. इसमें एक मुरलीकांत पेटकर भी थे, जो साल 1972 में पैरालिंपिक गोल्ड मेडेलिस्ट बने. एक्टर कार्तिक आर्यन ने इस रोल को प्ले किया है और दो साल तक इस रोल पर जमकर काम किया. कार्तिक आर्यन ने इस फिल्म के लिए अपना अपना कई किलो शारीरिक वजम भी घटाया था. फिल्म में एक 8 मिनट लंबा वॉर सीन भी है.

बॉक्स ऑफिस पर अंतिम सांसें गिन रही जाह्नवी कपूर की उलझ

एक हफ्ते में 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई फिल्म

साल 2024 में अब तक कई फिल्में रिलीज हो चुकी है लेकिन कुछ ही फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं. जहां 'मुंज्या जैसी कम बजट की फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई कर हैरान किया तो अक्षय कुमार स्टारर 'बड़े मियां छोटे मियां जैसी बड़े बजट की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई. हाल ही में जाह्नवी कपूर की स्पाई थ्रिलर 'उलझ और अजय देवगन स्टारर 'औरों में कहां दम था सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये दोनों फिल्में भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई हैं. जाह्नवी की 'उलझ की बात करें तो ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरस रही है. फिल्म को रिलीज हुए 7 दिन हो गए हैं लेकिन ये 10 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है. चलिए यहां जानते हैं 'उलझ ने रिलीज के 7वें दिन कतिना कलेक्शन किया है? जाह्नवी कपूर की 'उलझ को दर्शकों से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की ओपनिंग ही बेहद खराब हुई थी और रिलीद के चौथे दिन ही इसकी कमाई लाखों में सिमट गई थी. ऐसे में 'उलझ के मेकर्स भी सिर पकड़े बैठे हैं. फिल्म पूरी तरह डूब चुकी है और इसके कलेक्शन में अब उछाल आने की जरा भी उम्मीद नहीं है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 'उलझ ने 1.15 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 1.75 करोड़, तीसरे दिन 2 करोड़, चौथे दिन 65 लाख, पांचवें दिन भी 65 लाख और छठे दिन 55 लाख का कारोबार किया. वहीं अब 'उलझ की रिलीज के 7वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'उलझ ने रिलीज के 7वें दिन यानी पहले गुरुवार को 50 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'उलझ का सात दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.20 लाख हो गया है. 'उलझ को रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है और ये अब अब बॉक्स ऑफिस पर अपनी आखिरी सांसे गिनती हुई नजर आ रही है. फिल्म की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिपोर्ट बेहद खराब है.रिलीज के 7 दिन बाद भी 'उलझ 10 करोड़ का कलेक्शन नहीं कर पाई है.ऐसे में ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो चुकी है. हाल ही में, 'उलझ अभिनेता गुलशन देवैया ने अपनी फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन पर अपना रिएक्शन दिया था. फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट को रीपोस्ट करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा था, संघर्ष वह नमक है जो सफलता का स्वाद चखता है. जो लोग संघर्ष को स्वीकार नहीं करते वे कभी कुछ सार्थक हासिल नहीं कर पाएंगे. यह एक मुश्किल बिजनेस है. पीरियड. वहीं जब एक एक्स यूजर ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म फिल्मों के लिए बेहतर माध्यम हैं, तो गुलशन ने जवाब दिया था, फीचर फिल्में बड़े पर्दे पर देखने के लिए होती हैं. हिट फ्लॉप तो चलता रहता है. जब सिनेमा की बात आती है तो मैं अपने आदर्शवाद को छोड़ने को तैयार नहीं हूं और यह भी उम्मीद नहीं करता कि लोग इसे समझेंगे.

औरों में कहां दम था की कमाई की रफ्तार धीमी

एक हफ्ते में 10 करोड़ का आंकड़ा छुआ

अजय देवगन और तब्बू की फिल्म औरो में कहां दम था को ठीक एक सप्ताह पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित होती नजर आ रही है।शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का संघर्ष जारी है। पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।अब औरो में कहां दम था की कमाई के सातवें दिन के आंकड़े सामने आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, औरो में कहां दम था ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 10.05 करोड़ रुपये हो गया है।औरों में कहां दम था के निर्देशक नीरज पांडे हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।शीतल भाटिया, कुमार मंगत पाठक और संगीता अहीर इसके निर्माता हैं। इस फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। औरों में कहां दम था में अजय और तब्बू के अलावा जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु महेश्वरी जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है।इस फिल्म में अजय और तब्बू की अधूरी प्रेम कहानी दिखाई गई है, जो ताउम्र पूरी नहीं हो पाती।बॉक्स ऑफिस पर औरों में कहां दम था का सामना जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ से हो रहा है।इसके अलावा प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।

महाराष्ट्रीयन लुक में निकिता दत्ता ने ढाया कहर, सादगी भरा अवतार देख लट्टू हुए फैंस

बॉलीवुड की ग्लैमरस और हॉट एक्ट्रेस निकिता दत्ता काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो महाराष्ट्रीयन लुक में नजर आ रही है। निकिता दत्ता ने अपने इस साड़ी लुक को कंप्लीट करने के लिए गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां, नाक में नथ, कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कप्लीट किया है। एक्ट्रेस अपने इस आउटलुक में बेहद ही खूबसूरत और गॉर्जियस नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनके इस लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थक रहे हैं। निकिता दत्ता की इन फोटोज पर अबतक 74 हजार से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, कई यूजर्स कॉमेंट्स करते हुए अपने रिएक्शंस दे रहे हैं। बता दें कि चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक निकिता दत्ता अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वा फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

जूनियर एनटीआर की एनटीआर31 की रिलीज डेट आउट

केजीएफ डायरेक्टर संग वर्ल्डवाइड धमाका करेंगे आरआरआर स्टार

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने आ रहे हैं. साल 2022 में फिल्म आरआरआर के बाद अब दो फिल्मों से चर्चा में हैं. पहली एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 और दूसरी है एनटीआर 31. जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 31 को केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील बना रहे हैं. फिल्म एनटीआर 31 से बड़ा अपडेट आया है. एनटीआर 31 की आज पूजा सेरेमनी हुई और इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान हो गया है. हैदराबाद में एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया है. एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी में जूनियर एनटीआर और डायरेक्टर प्रशांत नील समेत प्रोड्यूसर और पूरी टीम शामिल थी. वहीं, एनटीआर 31 की पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर आकर एक पोस्टर शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है. बता दें, एनटीआर 31 के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 9 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज होने जा रही है. एनटीआर 31 की रिलीज डेट का एलान कर मेकर्स ने लिखा है , इस बार दुनिया इनके जोर से हिलेगी, एनटीआर 31 धरती पर 9 जनवरी 2026 को रिलीज होने जा रही है. बता दें, इससे पहले 27 सितंबर को जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट 1 रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को कोराताला सिवा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म देवरा पार्ट 1 से बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने जा रही हैं.

अदिति भाटिया ने अपने खास दोस्तों की कराई ग्रूमिंग, देखते रह गए लोग

एक्ट्रेस अदिति भाटिया आज भी लोकप्रिय शो ये है मोहब्बतें में मेन लीड रमन कुमार भल्ला की बेटी रूही भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को अपने पेट डॉग मर्फी और ओली के खास ग्रूमिंग सेशन की एक झलक साझा की। अदिति ने स्टोरीज सेक्शन में अपने पेट डॉग्स के साथ एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में अदिति ने कैजुअल ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई है और उनके पेट डॉग्स कार की खिड़की से बाहर खुशी से देख रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए अदिति ने कैप्शन में लिखा, ग्रूमिंग के बाद लोग इन्हें देख रहे हैं। एक अन्य स्टोरी में अदिति ओली के साथ पोज दे रही हैं और उन्होंने लिखा, वह पिछले दिनों काफी बुरा था!! अदिति ने अपनी एक सेल्फी भी अपलोड की, जिसमें उनके चारों ओर यूनिकॉर्न, फूल, दिल और टेडी बियर के स्टिकर लगे हुए हैं। उन्होंने लिखा, मेरी जिंदगी में बहुत उथल-पुथल है, मैं अपना ख्याल रखना या इंस्टा पर एक्टिव रहना भूल गई हूं, इस समय मैं पागल हो रही हूं। आखिरी तस्वीर में अदिति मर्फी और ओली के साथ सेल्फी ले रही हैं। इस पर कैप्शन लिखा, ओके बाय लव यू। अदिति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की। उन्होंने सबसे पहले छोटे पर्दे पर सीरियल होम स्वीट होम में करिश्मा का रोल अदा किया। वह टीवी सीरियल तुझ संग प्रीत लगाई साजना में तुलसी के किरदार में नजर आईं। उन्होंने शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म विवाह में अमृता राव के बचपन का किरदार निभाया था। यह फिल्म 2006 में रिलीज हुई। इसमें शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ अनुपम खेर, आलोक नाथ, सीमा बिस्वास, समीर सोनी और लता सभरवाल भी नजर आए। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में संजय दत्त की बेटी का किरदार निभाया। द ट्रेन में इमरान हाशमी की ऑनस्क्रीन बेटी बनी। वहीं, चांस पे डांस और सरगोशियां जैसी फिल्मों में भी बतौर बाल कलाकार काम किया। लीड एक्ट्रेस के तौर पर अदिति ने टशन-ए-इश्क में काम किया। उन्होंने बबली तनेजा का किरदार निभाया। इसके बाद ये है मोहब्बतें में रूही भल्ला के किरदार में दिखीं। स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले इस शो का निर्माण एकता कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत किया था।

ओल्ड मनी सॉन्ग रिलीज, सलमान खान और संजय दत्त संग एक्शन मोड में दिखे रैपर एपी ढिल्लों

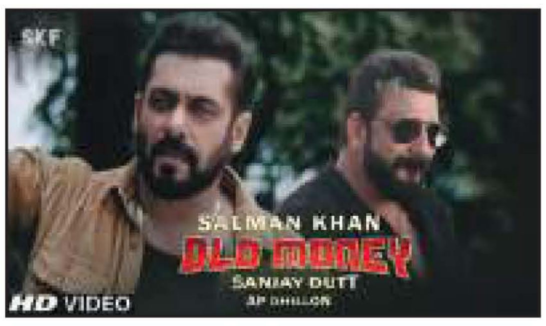

पॉपुलर पंजाबी सिंगर और वर्ल्ड फेमस रैपर एपी ढिल्लों, सलमान खान और संजय दत्त का न्यू ब्रॉन्ड गाना ओल्ड मनी रिलीज हो गया है. सॉन्ग ओल्ड मनी में सलमान खान, एपी ढिल्लों का जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है. सॉन्ग में सलमान खान और एपी ढिल्लों जमकर मारधाड़ और एक्शन करते दिख रहे हैं. बता दें, बीती 6 अगस्त को दबंग स्टार सलमान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर ओल्ड मनी का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया था. इस गाने में बॉलीवुड के संजू बाबा उर्फ संजय दत्त का खास रोल है, लेकिन टीजर में उनकी झलक नहीं दिखी थी और वह गाने के भी अंत में नजर आए हैं. गाने में इंडो कनाडियन रैपर सिंधा कोहलन भी दिख रहे हैं. कहा जा रहा है कि ओल्ड मनी सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह एक घटना पर आधारित है, जिस वजह से इसमें धांसू मारधाड़ देखने को मिल रही ही. फैंस इस कोलैबोरेशन को लेकर काफी एक्साइडेट थे और आज वो सब्र भी खत्म हो गया है. इससे पहले 2 अगस्त को एपी ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प मोशन पोस्टर के साथ ओल्ड मनी गाने का एलान किया था. सिंगर ने कैप्शन में लिखा था, मुझे पता है कि आपने इसे आने की उम्मीद नहीं की थी. मोशन पोस्टर में रैपर, सलमान खान और संजय दत्त की झलक दिखी थी. बता दें, एपी पहली बार सलमान खान और संजय दत्त के साथ काम कर रहे हैं. एपी के प्रोजेक्ट दिखने वाली सलमान खान और संजय दत्त की जोड़ी पहले भी एक साथ नजर आ चुकी है. इससे पहले फिल्म दस के लिए इस सुपरहिट जोड़ी ने सॉन्ग सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी में साथ में काम किया था. वहीं, इस जोड़ी को फिल्म चल मेरे भाई, साजन और सन ऑफ सरदार जैसी हिट फिल्मों में साथ में देखा गया है.

संक्षिप्त खबरें

पुश्तैनी जमीन पर 'सोना' उगा रहे हैं सेवानिवृत्त शिक्षक तरसेम चंद

हमीरपुर। नौकरियों के लिए घर से दूर भटकने के बजाय अपनी पुश्तैनी जमीन पर ही नकदी फसलों की खेती करके भी अच्छी खासी आय प्राप्त की जा सकती है। इस बात को भोरंज उपमंडल की ग्राम पंचायत मुंडखर के गांव जमली के प्रगतिशील किसान तरसेम चंद ने साबित करके दिखाया है। तरसेम लगभग 25 वर्ष तक शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षक के रूप में सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त होने पर लगभग 12 कनाल जमीन पर गेहूं, मक्की और धान जैसी परंपरागत फसलों की खेती के बजाय नकदी फसलें उगा रहे हैं। प्रगतिशील किसान तरसेम चंद ने सबसे पहले पारंपरिक कुएं की मरम्मत करवाकर उसमें मोटर फिट करवा कर सिंचाई का प्रबंध किया। इसके बाद उन्होंने भिंडी, करेला, खीरा, शिमला मिर्च, घीया, लौकी और कद्दू इत्यादि की फसलें उगाने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाते हुए खेतों में मल्चिंग शीट बिछाई।

मनी ट्रेल की एक चैन पकड़ी गई है, भूपेश का आरोप अप्रमाणित : विजय शर्मा

रायपुर। मानपुर-मोहला में नक्सली सहयोगी विजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद सियासी पारा गरमा गया है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आरोप पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हम जो कह रहे हैं उसका दस्तावेजी प्रमाण है। आपके आरोप का कोई प्रमाण नहीं है, अगर है तो प्रमाणित करें। नक्सलियों के मनी ट्रेल पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि विवेक सिंह नाम के जो व्यक्ति निकले हैं, वो भूपेश बघेल के पिता का प्रतिनिधि रहा है। मनी ट्रेल की एक चैन पकड़ी गई हैं, आगे भी लोगों को पकड़ा जाएगा। इनके रिश्तेदार, भाई आदि नक्सल कमांडर हैं, इसका भी रिकॉर्ड है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी स्वयं का व्यवसाय चलाने के लिए नक्सलियों को फंडिंग करते हो, उन्हें इससे बचना चाहिए।

बैल को बचाने बांध की टनल में उतरा युवक डूबा

उदयपुर। अलसीगढ़ बांध की टनल में बीती रात बैल को बचाने उतरे एक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। बैल गिरने के बाद उसे बचाने के लिए दो भाई टनल में उतरे थे। उसमें से एक भाई गहरे पानी में चला गया। आधी रात करीब एक बजे नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर रमेश मीणा (42) पिता मंगल मीणा का शव बाहर निकाला। रमेश उदयपुर के नाई के आड़ गांव का रहने वाला था। बैल गुम हुआ तो रमेश भाई राजू के साथ शाम चार बजे टनल के पास पहुंचा था। जहां बैल गिरा दिखा। वहां करीब पांच फीट पानी था। वे बैल को निकालने उतरे तो रमेश आगे बढ़ता गया। दोनों भाई 300 मीटर तक अंदर चले गए।

नीलगाय का शिकार करने के लिए दौड़ते लेपर्ड की ट्रेलर की टक्कर से मौत

नीमकाथाना। नीमकाथाना के तेलियाला मोड़ के पास एक सड़क हादसे में एक नर लेपर्ड की मौत हो गई। लेपर्ड को नीलगाय का शिकार करते समय एक ओवरलोड ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टोडा इलाके के तेलियाला मोड़ से एक किलोमीटर दूर मलोड़ी में हादसा हुआ। नीलगाय का शिकार करने के लिए लेपर्ड दौड़ रहा था तभी पत्थरों से भरे एक ओवरलोड ट्रेलर ने टक्कर मार दी। ट्रेलर का टायर लेपर्ड के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे लेपर्ड की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने सुबह सड़क पर लेपर्ड का शव देखा, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। वन विभाग की टीम ने सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। घटना स्थल के पास रहने वाले रामशरण गुर्जर ने बताया कि रविवार सुबह लगभग 3 से 3:30 बजे के बीच एक पत्थरों से भरे ओवरलोड ट्रेलर ने सड़क पार करते समय लेपर्ड को टक्कर मार दी। हादसे में लेपर्ड की मौके पर ही मौत हो गई।

मलबे में दबकर बेटे और मां की मौत

जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मेहलुआ में देर रात अखिलेश अपनी पत्नी, बेटा और बेटी के साथ सो रहे थे। रात के समय सिलेंडर में गैस रिसाव हो गया और सुबह जब गैस जलाई तो गैस रिसाव के कारण अचानक आग का गुबार बन गया। दीवार विस्फोट के साथ चटक गई और ऊपर से लेंटर गिर गया। मकान में सो रहे अखिलेश उसकी पत्नी मोहिनी, 12 वर्षीय बेटी अदिति और 6 वर्षीय बेटा देव उसमें दब गए। इस मलबे में दबकर पत्नी और बेटे की मौत हो गई। सुबह के वक्त तेज धमाके की आवाज सुनाई दी तो पास में रहने वाले भाई और आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। मकान का मलवा देख उसमें दबे अपने छोटे भाई अखिलेश उसकी पत्नी और दोनों बच्चों को मलवे से बाहर निकाला।

विद्यालय-महाविद्यालयीन छात्राओं के सम्मान समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, बोले

महिला सशक्तिकरण का लिखा जाएगा नया अध्याय

- सैनिटेशन एवं हाइजीन योजना की 57.18 करोड़ रुपये की राशि छात्राओं के खाते में अंतरित की

भोपाल। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय महिलाएं प्रारंभ से शौर्य और पराक्रम का महत्वपूर्ण उदाहरण रही हैं। भारत का इतिहास महिलाओं के साहस से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में भारत की संसद और विधानसभा में एक तिहाई स्थान पर महिलाओं के निर्वाचन के प्रावधान के प्रयास ऐतिहासिक होंगे। मुख?यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने वाले दो-तीन वर्ष में देश में महिला कल्याण और महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में उच्च शिक्षा और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित छात्राओं के संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत का पिछले 500 वर्ष का इतिहास देखें तो वह महिलाओं के गौरव और शौर्य से परिपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती का 500वां वर्ष चल रहा है। आज की युवा पीढ़ी को उनके शौर्य के बारे में जानकारी होना चाहिए। मध्यप्रदेश की बेटी रानी दुर्गावती ने अपने शासन काल में 51 लड़ाइयां लड़ीं। रानी दुर्गावती ने अकबर की सेना को पूरी वीरता के साथ तीन बार पराजित किया। मुख्यमंत्री ने झांसी की रानी की वीरता का भी उल्लेख किया। उन्होंने देवी अहिल्या बाई के शासन व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि देवी अहिल्या बाई ने अपने कार्यकाल में देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों सोमनाथ, उज्जैन, बनारस में विशाल मंदिरों का निर्माण कराया। उनकी धर्म के प्रति सच्ची निष्ठा को पूरे सम्मान के साथ याद किया जाता है। प्रदेश की बेटियों की प्रतिभा की चर्चा करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि हमारी बेटियों ने हर क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। प्रतिभाशाली बेटियों ने देश और दुनियां में मध्यप्रदेश का नाम रौशन किया है। राज्य सरकार प्रदेश की महिलाओं और बेटियों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं से आग्रह किया की वे देश की महान महिला विभूतियों से प्रेरणा लें। उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। भारतीय संस्कृति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति को दुनिया में श्रेष्ठ संस्कृति के रूप में पहचाना जाता है। प्रारंभ में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा सुखबीर सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

19 लाख छात्राओं को अंतरित की गई राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मौके पर समग्र शिक्षा के अंतर्गत सैनिटेशन एवं हाइजीन योजना में 19 लाख छात्राओं को 57 करोड़ 18 लाख रुपये की राशि अंतरित की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों और महाविद्यालय की छात्राओं को स्वच्छता के महत्व और उनके उपायों के बारे में जानकारी दी जाती है।

मुख्यमंत्री को छात्राओं ने बांधी राखी

डॉ. यादव को छात्राओं द्वारा विशाल राखी भेंट की गई। इसके बाद छात्राओं ने मुख्यमंत्री को राखी भी बांधी। डॉ. यादव ने छात्राओं को उपहार भेंट किए। मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस परेड नई दिल्ली-2024 और राष्ट्रीय सेवा योजना में मध्यप्रदेश का नेतृत्व करने वाली छात्राओं, महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में अव्वल रहने वाली छात्राओं का सम्मान किया। साथ ही यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में जिन छात्राओं ने भागीदारी की, उनका भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मान किया। सम्मान की श्रृंखला में कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा के विभिन्न संकायों में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभावान छात्राओं का भी सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने उन छात्राओं को भी सम्मानित किया जिन्होंने खेल गतिविधियों में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

भाजयुमो पूरे हिमाचल में चलाएगी हर घर तिरंगा अभियान : तिलक राज

शिमला। देश की मोदी सरकार के हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने को लेकर भाजपा युवा मोर्चा प्रतिबद्ध है और इस अभियान को 13 अगस्त तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष तिलक राज शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा हर घर तिरंगा अभियान को और व्यापक स्वरूप देने जा रही है और इसे अब तक का सबसे बड़ा अभियान बनाया जाएगा। तिलक राज शर्मा ने कहा कि पूरे प्रदेश में इस बार हर विधानसभा क्षेत्र के हर कस्बे, गांवों व घरों में तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा गया है। आम लोगों के बीच में राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा तिरंगा यात्रा कार्यक्रम भी निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सद्भाव एवं स्वाधीनता के आंदोलन से जुड़े सेनानियों को याद करना है। तिरंगा देशवासियों की आन-बान और शान है।

प्रचंड का आरोप- शेख हसीना को अमेरिका के इशारे पर सत्ता से हटाया गया

काठमांडू। एजेंसी

माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने दावा किया है कि अमेरिका के इशारे पर उन्हें सत्ता से हटाया गया। प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ करने में अमेरिका का हाथ है। उन्हें एक महीने पहले से सत्ता से हटाने के पीछे षडयंत्र चल रहा था। माओवादी पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में अध्यक्ष प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक षडयंत्र के तहत हटाया गया। उनका आरोप है कि अमेरिकी प्रभुत्व न मानने के कारण शेख हसीना को सत्ता से हटाकर देश छोड़ने को बाध्य कर दिया गया। अमेरिकी शर्त नहीं मानने के कारण रातों रात दो विपरीत ध्रुव के राजनीतिक दलों के बीच समझौता करा कर उन्हें पद से हटने पर मजबूर कर दिया गया। प्रचंड ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते शेख हसीना पर अमेरिका की महत्वाकांक्षी स्टेट पार्टनरशीप प्रोग्राम (एसपीपी) समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लगातार दबाव दिया जा रहा था। इस समझौते में नेपाल को शामिल करा कर अमेरिका नेपाल में अपना सैन्य बेस बनाना चाहता है। यह सैन्य बेस भारत और चीन दोनों के लिए खतरा बन जाता, इसलिए उन्होंने अमेरिकी दबाव को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप बढ़ना पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है।

सतगुरु के वचन का पालन करने से मिलते हैं दैवीय गुण : शीतल

ऋषिकेश। संत निरंकारी मिशन की प्रचारक बहन शीतल डोला ने कहा कि सतगुरु बाबा हरदेव सिंह महाराज ने अंतरराष्ट्रीय भाषा इंग्लिश में संत समागमों की शुरुआत इसलिए की थी ताकि पूरी दुनिया में अध्यात्म का संदेश फैल सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंग्रेजी समागमों का उद्देश्य केवल एक भाषा का प्रचार नहीं, बल्कि आध्यात्मिक संदेश का वैश्विक प्रसार है। शीतल डोला ने कहा कि यदि भक्त सतगुरु के वचनों का सच्चे मन से पालन करते हैं, तो दैवीय गुण स्वतः ही उनके जीवन में आ जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि व्यक्ति तन, मन और धन को परमात्मा की अमानत समझे, तो उसके जीवन में शांति (सुकून) बना रहता है। साथ ही, जाति, पंथ, धर्म का अभिमान छोड़ने से विश्व एक परिवार के रूप में रह सकता है। उन्होंने कहा कि यह सभी दैवीय गुण तभी संभव है। जब व्यक्ति परमात्मा को जान ले और यही मानव के मानव जीवन का असली उद्देश्य है।

विदेश सचिव मिस्री ने भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

काठमांडू। एजेंसी

दो दिवसीय दौरे पर रविवार को नेपाल पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने काठमांडू के नरदेवी में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस भवन का निर्माण भारत के सहयोग से किया गया है। नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के निमंत्रण पर सुबह काठमांडू पहुंचे मिस्री राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मुलाकात करेंगे। उनका उप प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह, उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल और गृहमंत्री रमेश लेखक से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। विदेश सचिव बनने के बाद मिस्री की यह पहली नेपाल यात्रा है। लम्साल ने मिस्री के सम्मान में रविवार को रात्रिभोज का आयोजन किया है। सोमवार सुबह उनका विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद मिस्री शाम को नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए केंद्र सरकार: रविंद्र पुरी

हरिद्वार। एजेंसी

सनातन हिंदू धर्म के समस्त 13 अखाड़ों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ षडयंत्र पूर्वक बर्बरता व अमानवीय व्यवहार पर विरोध जताया और राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर हिन्दुओं के खिलाफ हो रही बर्बरता रोकने व शांति स्थापना के लिए ठोस कदम उठाए जाने की मांग की। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष व श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं की भयावह स्थिति है। हिन्दुओं के मान बिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। ऐसे में केन्द्र सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ या तो उसका सरकार को पता नहीं था या फिर यह खुफिया विभाग की नाकामी है। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मामला है। भारत की चार हजार किलोमीटर लम्बी सीमा है। ऐसे में सीमा पार एक और पाकिस्तान बनने के हालात उत्पन्न हो गए हैं, जो भारत के लिए बड़ी समस्या हो सकते हैं। गत 75 वर्षों से एक पाकिस्तान से ही देश परेशान है। ऐसे में एक और कट्टरपंथी जमात खड़ी हो गई तो भारत के लिए विकट समस्या उत्पन्न हो जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार अन्तराष्ट्रीय दवाब बनाए और बांग्लादेश को कड़ी चेतावनी दे, जिससे हिन्दुओं की सुरक्षा की गारंटी हो सके। महामण्डलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि महाराज ने कहा कि बांग्लादेश की घटना से हिन्दू समाज उद्वेलित है। वहां महिलाओं, बच्चियों के साथ बलात्कार कर उनकी हत्या की जा रही है। चुन-चुन कर हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हरिद्वार में भी बड़ी संख्या में रोहिंग्या व बांग्लादेशी मुसलमान रह रहे हैं। उन्हें भी चुन-चुन कर देश से बाहर किया जाना चाहिए अन्यथा देश के लिए ये बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकते हैं। महामण्डलेश्वर स्वामी रूपेन्द्र प्रकाश महाराज ने कहा कि बांग्लादेश की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। केन्द्र सरकार को वहां हिन्दुओं व मंठ-मंदिरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

मंत्री गणेश जोशी ने बलिदानी दीपेंद्र कंडारी को दी श्रद्धांजलि

देहरादून। एजेंसी

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को हवलदार दीपेंद्र कंडारी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर अपनी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में केन्द्र और राज्य सरकार परिवारजनों के साथ खड़ी है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को शिमला बाईपास स्थित नयागांव रतनपुर में पहुंचकर हवलदार दीपेंद्र कंडारी के आकस्मिक निधन पर उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर के तंगधार क्षेत्र में 17 वीं बटालियन गढ़वाल राइफल में तैनात हवलदार दीपेंद्र कंडारी चमोली जिले के पोखरी ब्लॉक के करछुना गांव के निवासी है। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि मेरी सैनिक पृष्ठभूमि होने कारण मैं सैनिकों और उनके परिवारजनों के दुःख और समस्या को समझ सकता हूं। हम किसी बलिदान को वापस नहीं ला सकते हैं लेकिन, बलिदानी की वीरता और उसके पराक्रम का बखान करना और उनको यादों को जिंदा रखने प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार इस दिशा में पूरी ईमानदारी के साथ कार्य कर रही है। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि मैं स्वयं भी 17वीं गढ़वाल राइफल का ही जवान था। इससे पूर्व भी उन्होंने 17वीं गढ़वाल के जवान अदुरवाला निवासी शहीद हवलदार सत्ये सिंह बिष्ट की अंतिम यात्रा में भी शामिल हुए थे। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में व्यापारियों ने निकाली रैली

वाराणसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार,महिलाओं के साथ दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को लेकर काशी में लोग विरोध करने लगे हैं। रविवार को वाराणसी व्यापार मंडल के बैनर तले सिगरा स्थित साजन सिनेमा तिराहा के पास जुटे व्यापारियों ने रथयात्रा चौराहे तक जुलूस निकाल कर इस्लामिक कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ नारेबाजी की। जुलूस में शामिल मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा और महामंत्री कविंद्र जायसवाल,युवा अध्यक्ष संजय गुप्ता ने संयुक्त रूप से कहा कि बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद इस्लामिक कट्टरपंथी हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं। हिंदू महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। इससे भारत के हिंदुओं के अंदर गुस्सा है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार गलत है। मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है। यह सब अब नहीं सत्ता तो भारतीय भी काशी में रह रहे रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमानों को खदेड़ेंगे। व्यापारियों ने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले लाखों हिंदू हम सभी के परिवार हैं। हमारे बंगाली भाइयों के नाते रिश्तेदार हैं, इस घटना से वो लोग बुरी तरह से प्रभावित हो चुके हैं।

सांस्कृतिक हमीरपुर जिले के मुस्करा थाना क्षेत्र के गहरौली गांव में बांके बिहारी जू मंदिर स्थित है

अंग्रेजी हुकूमत खत्म होने पर क्रांतिकारियों ने फहराया था तिरंगा

हमीरपुर। एजेंसी

बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले में स्वतंत्रता आंदोलन के लिए यहां के तमाम क्रांतिकारियों को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू समेत तमाम बड़े नेताओं ने भी यहां आकर स्वतंत्रता आंदोलन के लिए लोगों में जोश भरा था। अंग्रेजी हुकूमत खत्म होने के बाद क्रांतिकारियों ने एक प्राचीन मंदिर में सामूहिक रूप से तिरंगा फहराकर जश्न मनाया था। इतना ही नहीं वीरभूमि में हर गांव में अंग्रेजों के देश छोड़ने पर घरों में दीये जलाए गए थे। जश्न के माहौल में आतिशबाजी भी की गई थी। हमीरपुर जिले के मुस्करा थाना क्षेत्र के गहरौली गांव में बांके बिहारी जू मंदिर स्थित है। इसका इतिहास भी सैकड़ों साल पुराना है। मंदिर में पहले अवध बिहारी महंत होते थे जिनके चमत्कार को आज भी गांव के लोग याद करते हैं। मंदिर के पुजारी राजा भइया दीक्षित ने बताया कि जिले का यही एक मंदिर है जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अतीत को संजोए है। मंदिर की देखरेख करने वाले विमल चन्द्र गुरुदेव ने बताया कि इस मंदिर को सरकारी स्तर पर संवारने के लिए कोई मदद नहीं मिली है लेकिन स्वयं के खर्च से मंदिर को नए आयाम दिए गए हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.जयकरन सिंह की 105 वर्षीय पत्नी विजय कुमारी ने बताया कि अंग्रेजों के खिलाफ हर गांव में लोग सड़क पर आए थे। बांके बिहारी जूदेव मंदिर समेत तमाम मंदिरों में क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी फौजों से बचने के लिए शरण ली थी। कुछ विभीषण के कारण क्रांतिकारियों को आंदोलन के दौरान बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी। अंग्रेजों की सत्ता खत्म होने पर शहर और कस्बों से लेकर गांव-गांव तक लोगों ने दीये जलाकर खुशियां मनाई थी। ऐतिहासिक मंदिरों और गांवों में लोगों ने सामूहिक रूप से आजादी का जश्न मनाया था। आतिशबाजी से दीपावली जैसा माहौल हो गया था। गांव के बुजुर्ग विमल चन्द्र गुरुदेव ने बताया कि अंग्रेजों के खिलाफ यहां गांव के एतिहासिक बांके बिहारी मंदिर के तहखाने में सेनानियों ने रणनीति बनाई थी। अंग्रेजों को भगाने के लिए बड़ा आंदोलन चला था जिसके बाद अंग्रेज अफसर भागने को मजबूर हो गए थे। 96 वर्षीय चन्द्रशेखर शुक्ला व जयनारायण गुरुदेव ने बताया कि अंग्रेजों को भगाने के बाद आजादी का जश्न मनाया गया था। तिरंगा फहराकर घर-घर दीये भी जलाए गए थे। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर मंदिर को अब सजाया जा रहा है। गांव में आजादी की सालगिरह पर कार्यक्रम भी करने की तैयारी शुरू की गई है। धनीराम गुरुदेव ने अपने अनुज पं.उधवराज के पुत्र प्रागदत्त के जन्मोत्सव पर इस मंदिर का निर्माण 1872 में कराया था। चूना, मिट्टी और कंकरीले पत्थरों से निर्मित मंदिर में भारतीय शिल्प कला का अनूठा उदाहरण देखने को मिलता है। मंदिर की छत से सटे कंगूरे, प्रमुख द्वार से लेकर बांके बिहारी महाराज के विराजमान स्थल तक फूल पत्ती, तैल चित्र और सनातनी देवी देवताओं की प्रतिमाएं अंकित हैं। गहरौली गांव के भगवान का शृंगार सोने और चांदी से निर्मित है। मंदिर का शिखर 50 मीटर ऊंचा है। पच्चीस गांवों से इसे देखा जा सकता है।

हर घर तिरंगा अभियान : तिरंगे के रंग में रंगा फतेहाबाद

फतेहाबाद। एजेंसी

हर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए रविवार को जिला के सभी गांवों में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इन यात्राओं में नागरिकों ने हिस्सेदारी कर राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को निभाया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत सुबह 9 गांव गोरखपुर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम में फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए और नागरिकों का हौसला बढ़ाया। तिरंगा यात्रा को विधायक दुड़ाराम ने झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा का ग्रामवासियों ने विभिन्न स्थानों पर जोरदार ढंग से स्वागत किया। विधायक दुड़ाराम ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत 11 से 15 अगस्त तक राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की आजादी की 77वीं वर्षगांठ पर हर घर तिरंगा अभियान के आह्वान के प्रति देश की जनता में जबरदस्त उत्साह है। आजादी के लिए ज्ञात एवं अज्ञात शूरवीरों ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलवाई।

संक्षिप्त खबरें

26 खिलाड़ी मंडल स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन ट्रायल्स में चयनित

मुरादाबाद। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्टस स्टेडियम मुरादाबाद में रविवार को सिविल सर्विसेज चयन ट्रायल्स का आयोजन किया गया। जिसमें 26 खिलाड़ियों का मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स में चयन किया गया। उक्त चयनित खिलाड़ी 13 व 14 अगस्त को राज्य स्तरीय चयन ट्रायल्स में प्रतिभाग करेंगें। इस अवसर पर क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी प्रेम कुमार, उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक, एथलेटिक्स प्रशिक्षिका ललिता चौहान, बास्केटबाल प्रशिक्षिका निशा, बैडमिन्टन प्रशिक्षक मो आसिफ सिद्दीकी, खो-खो प्रशिक्षक धीरज सिंह, क्रीड़ा विभाग के प्रधान सहायक सीएल वर्मा, कनिष्ठ सहायक प्रदीप सक्सेना आदि मौजूद रहे। इस दौरान मुरादाबाद के विभिन्न विभागों के राज्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का रांची में 21 को होगा ट्रायल

रांची। जालंधर (पंजाब) में 9 से 19 सितंबर तक होने वाली 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के के लिए झारखंड टीम के चयन के लिए 21 अगस्त को ट्रायल होगा। बताया गया कि झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21 अगस्त को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। यह चयन ट्रायल 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से होना है। इस चयन ट्रायल में झारखंड के वे हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, उम्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

दीपिका जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल में दिल्ली की कप्तान होगी

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में खेली जाने वाली जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए दिल्ली की दीपिका पाल को कप्तान और तारिणी सिब्बल को उप कप्तान बनाया गया है। दिल्ली सॉकर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने यह जानकारी दी। 22 सदस्यीय टीम के हेड कोच सतीश बग्गा, सहायक कोच राम सिंह भोला, मैनेजर अंजलि और फिजियो अलिना नाज होंगे। अनुज बताया कि महीने भर के शिविर के बाद चुनी गई टीम पूरी तरह फिट है। दिल्ली अपने अभियान की शुरूआत 12 अगस्त को मिजोरम के खिलाफ खेलकर करेगी। अन्य टीमें ओडिशा और छत्तीसगढ़ हैं। टीम इस प्रकार है:- आहाना जावा, अक्षिता स्वामी, एंजेल ग्रोवर, दीपिका पाल (कप्तान), दीवा, एस्थर, टिंगोकिम हावकिप, हेमलता, जिव्या यादव, लिंगदेकिम, मनस्वी रानी, नीतिका नेगी, नायसा बेदी, परमजीत कौर, प्रेष्ठा शर्मा, रीत सभरवाल, रिबांसी जामु, समृद्धि त्रिपाठी, संगीता, तान्या सिंह, तारिणी सिब्बल (उप-कप्तान), तेस्विनी शर्मा, याना सिंह।

ओलंपिक विजेता हॉकी टीम अमृतसर पहुंची

हमें गर्व है भारत में लंबे समय बाद हॉकी की वापसी हुई है : कुलदीप

अमृतसर। एजेंसी

ओलंपिक खेलों से कांस्य पदक जीतकर पंजाब लौटे भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों का रविवार को पंजाब सरकार की ओर से श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पंजाब के कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और हरभजन सिंह ईटीओ ने स्वागत किया। इस अवसर पर हॉकी खिलाड़ियों के माता-पिता, हॉकी प्रेमी और हॉकी पंजाब के वरिष्ठ अधिकारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस मौके पर धालीवाल ने हॉकी खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया और कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हमें आप पर गर्व है भारत में लंबे समय बाद हॉकी की वापसी हुई है।

कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने किया स्वागत

धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ग्रामीण स्तर पर खेलों को विकसित करने के लिए प्रयास कर रही है और आने वाला समय हमारे खिलाड़ियों और खेलों के लिए बहुत आरामदायक माहौल प्रदान करेगा, जिससे पंजाब में बड़े खिलाड़ी तैयार होंगे।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए लोकसभा सदस्य गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि हमें अपने हॉकी खिलाड़ियों पर हमेशा गर्व रहेगा, जिन्होंने लंबे समय के बाद देश के लिए पदक जीते और हॉकी में हमारे देश का नाम रोशन किया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए हरभजन सिंह ईटीओ कैबिनेट मंत्री पंजाब ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि हमारे खिलाड़ियों ने अपने खेल से पंजाब पर लगे नशे के कलंक को मिटा दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने हमेशा खेलों में देश का नेतृत्व किया है और यह परंपरा भविष्य में भी जारी रहेगी, जिसके लिए पंजाब सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब हमारे पंजाब के खिलाड़ी ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं तो हमारा सिर गर्व से ऊंचा हो गया है। उन्होंने कहा कि भगवंत सिंह मान के प्रयासों से भविष्य में पंजाब को खेलों की नर्सरी के रूप में जाना जाएगा। आज अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचे ओलंपिक एथलीटों में मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, गुरजंत सिंह, शमशेर सिंह, मनदीप सिंह, जर्मन प्रीत सिंह बॉल, सुखजीत सिंह और जुगराज सिंह के नाम उल्लेखनीय हैं।

विनेश को जरूर मिलेगा सिल्वर मेडल : महावीर फोगाट

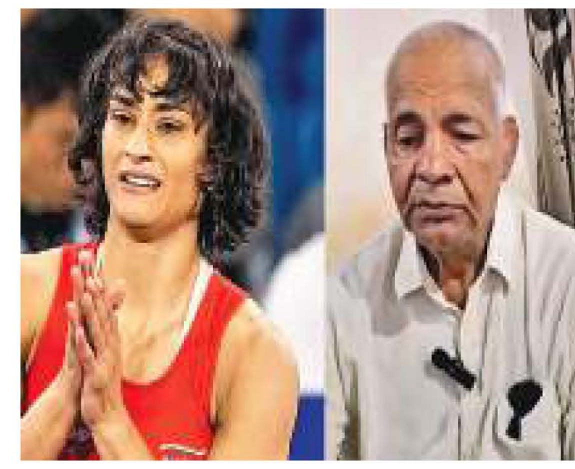

नई दिल्ली। एजेंसी

महिला पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ महावीर फोगाट ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही फैसला आएगा कि विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, खेल पंचाट का फैसला भारत को हक में आएगा। खेल कोर्ट यानि कोर्ट ऑफ आर्बिरेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) द्वारा विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल देने का फैसला रविवार तक टालने के बाद महावीर फोगाट ने कहा कि सुनवाई पूरी हो चुकी है। हमें सीएएस के फैसले का इंतजार है। हमें इंतजार करते तीन दिन हो गए हैं, अब जब भी फैसला आएगा उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, इसके लिए उनका धन्यवाद। उन्होंने उम्मीद जताई कि विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल जरूर मिलेगा। वहीं, विनेश के संन्यास लेने की घोषणा पर महावीर फोगाट ने कहा कि हमारा परिवार उनसे फैसला वापस लेने को कहेगा। हम उन्हें 2028ओलंपिक में लड़ने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे।

उज्बेकिस्तान के जलोलोव ने जीता पुरुषों के 92प्लस किग्रा मुक्केबाजी का स्वर्ण पदक

पेरिस। एजेंसी

उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 92 प्लस किग्रा वर्ग के मुक्केबाजी फाइनल में स्पेन के अयूब गदफा ड्रिसी एल आइसाउई को हराया। रोलैंड-गैरोस स्टेडियम में शनिवार देर रात बखोदिर जलोलोव ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए स्पेन के मुक्केबाज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बखोदिर जलोलोव का यह ओलंपिक में दूसरा स्वर्ण पदक है। मुकाबला जीतने के बाद जलोलोव ने कहा, यह उज्बेकिस्तान के लिए इतिहास है और मैं भावुक हूं क्योंकि दो बार ओलंपिक चैंपियन बनना मेरा सपना था। उन्होंने कहा अब, मैं बहुत खुश हूं, और मैं एक पेशेवर मुक्केबाज के रूप में अपना करियर जारी रखूंगा।

पोलार्ड ने राशिद की गेंद पर लगाये लगातार पांच छक्के

साउथैम्पटन। एजेंसी

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और वर्तमान में मुंबई इंडियंस के सहायक कोच कीरोन पोलार्ड ने द हंड्रेंड में सदर्न ब्रेव के लिए खेलते हुये ट्रेंट रॉकेट्स के गेंदबाज राशिद खान की गेंदों पर लगातार पांच छक्के लगाने का कारनामा किया हैं। 78 रन पर छह विकेट गवांने के बाद संकट में फंसी सदर्न ब्रेव के लिए बल्लेबाजी कर रहे पोलार्ड ने धीमी शुरूआत की और वह 14 गेंदों पर केवल छह रन ही बना पाए थे। तब ऐसा लगा रहा था कि मेजबान टीम मुकाबला हार जायेगी। लेकिन इसके बाद

पोलार्ड ने राशिद की पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के लगाकर ब्रेव की उम्मीदों को फिर से जिंदा कर दिया।

उन्होंने राशिद की गुगली और अंदर आती गेंदों पर दो छक्का डीप मिडविकेट में, दो छक्का लांग ऑफ में और एक छक्का एक्स्ट्रा कवर पर लगाया। पोलार्ड की इस धुआंधार बल्लेबाजी का राशिद की विश्व स्तरीय गेंदबाजी के पास कोई जवाब नहीं था। पोलार्ड इससे पहले मार्च 2021 में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 में अकीला धनंजय की गेंद पर लगातार छह छक्के लगाकर यह कारनामा कर चुके है।

भारतीय एथलीटों को ओलंपिक में ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला

पेरिस। एजेंसी

भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक बीस एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान हासिल हुआ है। बेल्जियम के हुये एंटवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था।

ग्रीष्मकालीन खेलों में एक देश का ध्वजवाहक राष्ट्र के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और इसे ओलंपिक आदर्शों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह भविष्य के लिए एक प्रेरणा या रोल मॉडल हो सकता है। वर्षों से भारत के

लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है।

आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। अब तक बीस भारतीय एथलीट्स को ध्वजवाहक बनने का सम्मान हासिल किया है लेकिन इनमें से केवल आठ ही ऐसे एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। ध्वजवाहकों में अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में 1932 ओलंपिक हॉकी टीम के कप्तान लाल चंद भोकरी, जादूगर ध्यान चंद, दिग्गज बलबीर सिंह सीनियर और जफर इकबाल भी शामिल हैं।

तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर ओलंपिक को ये सम्मान दो बार (1952, 1956) मिला है।

स्प्रिंटर शाइनी-अब्राहम विल्सन 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में देश की ओलंपिक ध्वजवाहक का सम्मान पाने वाली पहली भारतीय महिला थी। शाइनी के अलावा ये सम्मान पाने वाली अन्य महिला अंजू बॉबी जॉर्ज हैं, जिन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में ये उपलब्धि हासिल की थी।

ओलंपिक में भारतीय हॉकी की एक बेहतरीन विरासत है। भारतीय टीम ने हॉकी में आठ स्वर्ण, दो सिल्वर और तीन कांस्य पदक जीते हैं, इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हॉकी खिलाड़ियों ने ओलंपिक (06) में भारत के लिए सबसे अधिक बार झंडा उठाया है। टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस, निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और पहलवान सुशील कुमार अन्य ओलंपिक पदक विजेता हैं, जिन्होंने भारत के ओलंपिक ध्वजवाहक बनने का सम्मान हासिल किया।ओलंपिक में पहली बार भारत की ओर से दो ध्वजवाहक रहे। टोक्यो ओलंपिक 2020 खेलों में मुक्केबाज मैरी कॉम और हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह को ध्वजवाहक बनने का गौरव हासिल हुआ। ओलंपिक 2024 में शरत कमल (टेबल टेनिस) और पीवी सिंधु (बैडमिंटन) को भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला।

वाणिज्य

महंगाई आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी की चपेट में आने की आशंका और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार नौवीं बार नीतिगत दरों को यथावत रखने से निराश निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह चाल जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों से तय होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1276.04 अंक अर्थात 1.6 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 79705.91 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 350.2 अंक यानी 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24367.50 अंक रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयर भी भारी

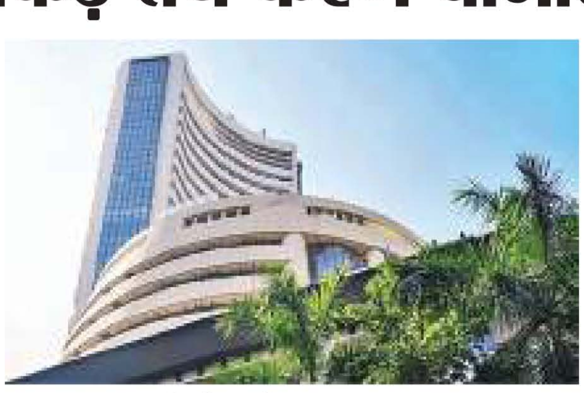

बिकवाली की जद में रहे। इससे मिडकैप 482.96 अर्थात 1.01 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 47192.27 अंक और स्मॉलकैप 1014.92 अंक यानी 1.9 प्रतिशत कमजोर होकर 53614.37 अंक पर बंद हुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, भारतीय बाजार में कैरी ट्रेडों के समाप्त होने की चिंताओं से उत्पन्न अनिश्चितताओं से मामूली सुधार हुआ, जो येन के तेजी से बढ़ते मूल्य तथा कमजोर समष्टि आर्थिक आंकड़ों के कारण हुआ। इससे अमेरिका में मंदी की आशंकाएं बढ़ गईं।

जापान में मुद्रास्फीति में तीव्र वृद्धि के कारण बैंक ऑफ जापान (बीओजे) द्वारा दरों में तीव्र वृद्धि की संभावना बढ़ने से विश्व भर में भारी बिकवाली हुई। हालांकि, बीओजे यह आश्वासन दिए जाने से कि केंद्रीय बैंक वित्तीय अस्थिरता के दौरान ब्याज दरें नहीं बढ़ाएगा, बाजार की चिंताएं शांत हो गईं। कैरी ट्रेड का मुद्दा फिलहाल सुलझ गया प्रतीत होता है लेकिन बीओजे के ब्याज दरों में क्रमिक वृद्धि से निकट भविष्य में कुछ प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय बाजार में भी सभी क्षेत्रों में व्यापक खरीदारी देखी गई, जिसमें इंडेक्सेशन लाभ की बहाली के कारण रियल्टी क्षेत्र में राहत भरी तेजी देखी गई।

हालांकि पिछले महीने विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) घरेलू बाजारों में शुद्ध बिकवाल रहे हैं लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) और खुदरा प्रतिभागियों के मजबूत प्रवाह ने एफआईआई के बिकवाली दबाव को कम कर दिया है। इस बीच ओला इलेक्ट्रिक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ने ग्रे मार्केट की 4-5 प्रतिशत छूट की उम्मीदों को धता बताते हुए बाजार में अपनी शुरूआत शानदार तरीके से की। इसके सकारात्मक प्रदर्शन का श्रेय इसके स्वस्थ दीर्घकालिक दृष्टिकोण, 38 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी, पीएलआई योजना से लाभ और वर्टिकल इंटीग्रेशन के लाभों को जाता है।

हिंडेनबर्ग ने लाभ कमाने के लिए बनाई रिपोर्ट, सार्वजनिक तथ्यों को रखने में की चलाकी: अदानी समूह

नयी दिल्ली। एजेंसी

अदानी उद्योग समूह ने अमेरिकी फर्म हिंडेनबर्ग रिसर्च की उस ताजा रिपोर्ट को बाजार में मुनाफा कमाने के लिए पहले से तय एक दुर्भावनापूर्ण, शरारती और निराधार बताया है, जिसमें पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधबी बुच के विदेश में कथित निवेश को उसके साथ जोड़ा गया है। अदानी समूह ने हिंडेनबर्ग रिसर्च की शनिवार को जारी रिपोर्ट पर कहा है कि अमेरिकी फर्म ने इस रिपोर्ट में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कुछ चुने हुए तथ्यों को अपने ढंग से प्रस्तुत करने की चालाकी की है। रिपोर्ट में जिन व्यक्तियों का नाम दिया गया है उनसे उसका कोई व्यावसायिक संबंध नहीं है। अदानी समूह के प्रवक्ता ने समूह की ओर से रविवार को शेयर बाजारों को दी गई जानकारी को साझा करते हुए कहा हिंडनबर्ग के नवीनतम आरोप तथ्यों और कानून की उपेक्षा के साथ व्यक्तिगत मुनाफाखोरी के लिए पूर्व-निर्धारित निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और चालाकी भरा चयन मात्र हैं। अदानी समूह ने रिपोर्ट में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा है कि ये आरोप पहले बदनाम साबित हो चुके हिंडेनबर्ग के दावों का पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) मात्र है। जिनकी गहन जांच की गई है, जो निराधार साबित हुए हैं। अदानी समूह ने यह भी कहा है कि जनवरी 2024 में उच्चतम न्यायालय ने ये आरोप खारिज कर दिए हैं। अदानी समूह ने कहा है, यह दोहराया जाता है कि हमारी विदेशी होल्डिंग संरचना पूरी तरह से पारदर्शी है, जिसमें सभी प्रासंगिक विवरण कई सार्वजनिक दस्तावेजों में नियमित रूप से प्रकट किए जाते हैं।

हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के खिलाफ माधबी और अदानी ने कसी कमर

नयी दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) अध्यक्ष माधबी बुच और उनके पति धवल बुच पर अदानी समूह के ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी रखने के आरोप के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए श्रीमती बुच और समूह ने इस रिपोर्ट को निराधार, अफवाह, दुर्भावनापूर्ण एवं शरारती बताया और कहा कि हिंडेनबर्ग ने एक ही झूठ को दोबारा परोसने की कोशिश की है। हिंडेनबर्ग रिसर्च ने शनिवार देर रात जारी अपनी एक रिपोर्ट में

दावा किया कि उसके पास उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि सेबी की वर्तमान अध्यक्ष और उनके पति के पास अदानी मनी साइफोनिंग स्कैंडल में इस्तेमाल किए गए ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी। श्रीमती बुच और उनके पति धवल बुच ने पहली बार 05 जून 2015 को सिंगापुर में आईपीई प्लस फंड 1 के साथ अपना खाता खोला था।

पंजाब मेल में फैली आग की अगवाह, चलती ट्रेन से कूद गए लोग, 20 यात्री घायल, 7 की हालत नाजुक

शाहजहांपुर/एजेंसी

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से बड़ी खबर सामने आयी है. यहां रविवार सुबह पंजाब मेल एक्सप्रेस में अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें 20 से ज्यादा यात्री घायल हो गए. घायलों को शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां 7 लोगों की हालत गंभीर बतायी जा रही है. यह घटना बरेली और कटरा स्टेशन के बीच हुई. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ट्रेन में अचानक आग लगने की अफवाह फैल गई, जिससे घबराकर कई यात्री चलती ट्रेन से कूद गए. शाहजहांपुर में रविवार को हड़कंप मच गया. लोग चलती ट्रेन से अचानक कूदने लगे. घबराए लोग अपनी- अपनी जान बचाकर भागने लगे. भगदड़ में कई लोग घायल हो गए, जबकि 7 लोगों की हालत गंभीर बतायी जा रही है. उन्हें इलाज के लिए शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया. यह घटना ट्रेन नंबर 13006 अमृतसर से हावड़ा जाने वाली ट्रेन पंजाब मेल एक्सप्रेस में हुई है. बताया जा रहा है कि आग लगने की अफवाह से भगदड़ मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए ट्रेन से कूद पड़े।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ट्रेन नंबर 13006 पंजाब मेल एक्सप्रेस अमृतसर से हावड़ा की ओर जा रही थी. वह सुबह तकरीबन सुबह 8:30बजे बिलपुर कटरा स्टेशन के बीच पहुंची थी. जनरल कोच में धुंआ भरता देख लोगों को लगा कि बोगी में आग लग गई है. ऐसे में सब यात्री ट्रेन से कूदकर भागने लगे. ट्रेन में सफर कर रहे एक अन्य चश्मदीद यात्री ने बताया कि सीजफायर का सिलेंडर लीक होने से धुंआ निकला था, लेकिन लोगों को लगा कि यह आग लगने का धुंआ है.

भगदड़ हादसे में कई लोगों के चोट आई है. घटना से जीआरपी समेत रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया. ट्रेन रोककर बोगियां खाली होने के बाद चेक किया गया, तो सबकुछ ठीक मिला. इसके बाद घायलों को महिला और गार्ड बोगी में सवार कर शाहजहांपुर तक ले गए और वह से अस्पताल के लिये रवाना किया.

बांग्लादेश में अभी भी अस्थिरता, शीर्ष अधिकारियों का इस्तीफा और हिंसा का माहौल

ढाका/एजेंसी

नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार ने इन उथल-पुथल भरे समय में देश को चलाने के लिए शपथ ली है लेकिन विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहे देश में अभी तक इसकी उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाई है. सेना के समर्थन से बने अंतरिम कार्यवाहक यूनुस ने शनिवार को रंगपुर की अपनी यात्रा के दौरान शांति की अपली की थी, जब उन्होंने पुलिस द्वारा गोली मारे गए एक छात्र की मां को गले लगाया. शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरों के बीच उन्होंने धारमिक एकता की भी अपील की है. इस्तीफों की कड़ी में सबसे ताजा मामला देश के केंद्रीय बैंक प्रमुख का है. बांग्लादेश बैंक के गवर्नर अब्दुर रौफ ने कल अपने पद से इस्तीफा दे दिया. तीन दिन पहले 100 से अधिक बैंक अधिकारियों ने उनके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था और उनके इस्तीफे की मांग की थी. द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, रौफ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है.पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के वफादार माने जाने वाले मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन को कल उनके कार्यालय से बाहर कर दिया गया, क्योंकि छात्रों ने बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय को घेर लिया था और उन्हें पद छोड़ने के लिए एक घंटे का अल्टीमेटम दिया था. इसके बाद शीर्ष न्यायालय के पांच और न्यायाधीशों ने इस्तीफा दे दिया.इसके बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने कल शाम सर्वोच्च न्यायालय के उच्च न्यायालय प्रभाग के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति सैयद रेफत अहमद को देश का 25वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया.देश के मार्केट रेगुलेटर के प्रमुख ने भी इस्तीफा दे दिया है. बांग्लादेश सिक्योरिटीज एंड एक्सेंज कमीशन के अध्यक्ष प्रोफेसर शिबली रुबायत-उल इस्लाम कई दिनों से काम पर नहीं आ रहे थे. उन्होंने भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया.इस बीच, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों ने चिंता बढ़ा दी है. चटगांव शहर में कल एक विशाल रैली हुई, जिसमें हज़ारों हिंदुओं ने भाग लिया और देश के नागरिकों के रूप में सुरक्षा और समान अधिकारों की मांग की.बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं.। गोपालगंज में कल दोपहर अवामी लीग के जुलूस में हुई झड़प में पांच सैन्यकर्मी घायल हो गए और एक सैन्य वाहन को आग लगा दी गई.5 अगस्त को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से बांग्लादेश में 52 जिलों में आगजनी, हत्याएं और अल्पसंख्यक समुदायों के उत्पीड़न की कई घटनाएं हुई हैं. इसमें दो प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आईं.

दिल्ली में बड़ा हादसा, भरभराकर गिरी इमारत, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली/एजेंसी

राजधानी के माडल टाउन इलाके में उस समय अफरा तफर मच गई जब एक इमारत भरभराकर अचानक गिर गई। जानकारी के अनुसार इमारत गिरने के कारण कई लोग मलबे के नीचे दब गए है।

दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि बचावकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और लोगों को रेस्क्यू करने में जुट गए हैं। मलबे के नीचे कई लोगों के फंसने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उत्तरी-पश्चिमी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में दो मंजिला मकान ढहने से तीन लोग दब गए। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकलकर्मियों ने लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि यह घटना महेंद्रू एन्क्लेव में हुई, जहां पुराने मकान की मरम्मत की जा रही थी।

डिजिटल एमएसएमई यात्रा : नैनो, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यमियों के लिए डिजिटल

नई दिल्ली/एजेंसी

सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और विकसित भारत 2047 की हमारी सोच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एमएसएमई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एमएसएमई मंत्रालय के अनुसार, ये उद्यम भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 30त्न, निर्यात का 48त्न, और लगभग 110 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। सरकार नियामक समर्थन और योजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और जमीनी स्तर पर जन जागरूकता बढ़ाने से एमएसएमई के बीच उत्साह को और बढ़ावा मिलेगा।पियूष एक उद्योग विशेषज्ञ और वैश्विक सलाहकार हैं, जिनके पास वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक), समावेशन और एमएसएमई क्षेत्रों में 16 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह विश्व स्तर पर नैनो और एमएसएमई की वृद्धि के लिए काम कर रहे हैं और दृढ़ता से मानते हैं कि प्रौद्योगिकियों का अभिनव उपयोग एमएसएमई की व्यावसायिक वृद्धि और कौशल विकास में महत्वपूर्ण सुधार कर सकता है।इस यात्रा के दौरान, पियूष दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम में सेवाओं, विनिर्माण, व्यापार, थोक और खुदरा सेक्टर में नैनो, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यमियों से मिल रहे हैं। सड×क विक्रेताओं से लेकर 250 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले उद्यमों तक, पियूष एमएसएमई के तहत परिभाषित पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करने का लक्ष्य रखते हैं।डिजिटल एमएसएमई यात्रा तीन प्रमुख उद्देश्यों को प्राप्त करने का लक्ष्य रखती है। पहला, यह एमएसएमई के बीच वर्तमान डिजिटल जागरूकता स्तर को समझने और उनकी डिजिटलाइजेशन यात्रा में आने वाली चुनौतियों की पहचान। दूसरा, यह उद्योग संघों और विशेषज्ञों के साथ जुडऩे, एमएसएमई के चुनौतियां को साझा करने, इन दृष्टिकोणों को व्यापक रूप से फैलाने का लक्ष्य रखती है। तीसरा, यात्रा का उद्देश्य एमएसएमई के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने और समर्थन देने वाली सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिससे इन उद्यमों को उपलब्ध संसाधनों और विकास के अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिल सके।पियूष कुछ जमीनी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहते हैं, ₹कई लोग सरकारी योजनाओं को काफी समय लगने वाला मानते हैं, जिससे आवेदन दरें कम होती हैं, हालाँकि सरकार ने इसके लिए काफी डिजिटल विकल्प दिए हैं । इसके अलावा, कई लोग इन योजनाओं से अनजान हैं। डिजिटल समाधानों के लिए, एमएसएमई ज्यादातर व्हाट्सएप और एक्सेल पर निर्भर हैं, इसलिए व्हाट्सएप का लाभ उठाने वाले अधिक एप्लिकेशन लाभकारी हो सकते हैं। जेनेरेटिव ?ढ्ढ के मुख्यधारा में आने से कई चुनौतियों को हल करने के अवसर आएं हैं।₹ वह इस उद्योग की काफी हद तक असंगठित प्रकृति और इसकी अनेक समस्याओं को संबोधित करने के लिए मल्टी-स्टेकहोल्डर एप्रोच की आवश्यकता पर जोर देते हैं।डिजिटल एमएसएमई यात्रा और ष्टद्गठ्ठस्ढ्ढ के माध्यम से, पियूष एमएसएमई द्वारा सामना की जाने वाली तकनीकी, व्यावसायिक वृद्धि और कौशल विकास चुनौतियों को संबोधित करने के लिए पूरे भारत में काम करने का लक्ष्य रखते हैं।राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर और डोनर के साथ सहयोग करके, ष्टद्गठ्ठस्ढ्ढ वैश्विक स्तर पर काम करना और अपनी सीख को साझा करना चाहता है, जिससे एमएसएमई को विश्व स्तर पर सामना करने वाली व्यावसायिक वृद्धि और कौशल के गैप को संबोधित किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929